# My Notes…..

## राष्ट्रीय

### अंतरराज्यीय परिषद का पुनर्गठन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में **अंतरराज्यीय परिषद का पुनर्गठन कर दिया गया है। छह केंद्रीय मंत्रियों और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को परिषद में सदस्य** के तौर पर शामिल किया गया है। इसके साथ ही **अंतरराज्यीय परिषद की स्थायी समिति का भी पुनर्गठन किया गया है।** गृह मंत्री राजनाथ सिंह को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। केंद्र ने इस बाबत दो अधिसूचनाएं जारी की हैं।

**क्या है**

1. **संविधान के अनुच्छेद 263 में अंतरराज्यीय परिषद** का प्रावधान किया गया है। **इसका उद्देश्य दो या उससे अधिक राज्यों/केंद्र प्रशासित क्षेत्रों या केंद्र और दो या दो से अधिक राज्यो/केंद्र प्रशासित क्षेत्रों के बीच** किसी भी मुद्दे पर उत्पन्न विवाद को सुलझाने का प्रयास करना है।
2. परिषद साझा हितों से जुड़े मसलों की जांच-पड़ताल कर उचित समाधान के तौर-तरीके सुझाती है। इसके अलावा बेहतर सहयोग के लिए नीति और उचित कार्रवाई की सिफारिश भी करती है।
3. राजनाथ सिंह (गृह मंत्री), सुषमा स्वराज (विदेश मंत्री), अरुण जेटली (वित्त मंत्री), नितिन गडकरी (सड़क एवं परिवहन मंत्री), थावर चंद गहलोत (सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री) और निर्मला सीतारमण (रक्षा मंत्री) को परिषद में सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा विधानसभा वाले केंद्र प्रशासित क्षेत्रों के सीएम इसके सदस्य होंगे। आठ अन्य केंद्रीय मंत्रियों को स्थायी आमंत्रित सदस्य के तौर पर जगह दी गई है।
4. **नई स्थायी समिति में चार केंद्रीय मंत्रियों और सात मुख्यमंत्रियों को सदस्य के तौर शामिल किया गया है।** केंद्रीय मंत्रियों में सुषमा स्वराज, जेटली, गडकरी और गहलोत शामिल हैं। वहीं, मुख्यमंत्रियों में चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश), अमरिंदर सिंह (पंजाब), रमण सिंह (छत्तीसगढ़), माणिक सरकार (त्रिपुरा), नवीन पटनायक (ओडिशा), वसुंधरा राजे (राजस्थान) और योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश) को शामिल किया गया है। समिति की मुख्य जिम्मेदारी परिषद द्वारा किसी मुद्दे पर विचार-विमर्श करने से पहले उसकी जांच-पड़ताल करना है।

**अंतरराज्यीय परिषद क्या है**

1. **विधायी शक्ति का विषय संविधान की सातवीं अनुसूची** में तीन सूचियों- **केन्द्रीय सूची (सूची ।), राज्य सूची (सूची ॥) और समवर्ती सूची (सूची ॥।)** में वर्गीकृत किया गया है। विधायन की अवशिष्ट शक्तियाँ संसद में निहित हैं।
2. केन्द्र सरकार ने केन्द्र और राज्यों के बीच वर्तमान व्यवस्थाओं के कार्यकरण की समीक्षा करने के लिये **न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में 1988 में एक आयोग गठित किया था।**
3. सरकारिया आयोग ने **भारत के संविधान के अनुच्छेद 263 के अनुसार** परिभाषित अधिदेश के अनुसरण में परामर्श करने के लिये एक स्वतंत्र राष्ट्रीय फोरम के रूप में अंतरराज्जीय परिषद स्थापित किये जाने की महत्त्वपूर्ण सिफारिश की थी।
4. इस सिफारिश के अनुसरण में **संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत राष्ट्रपति के दिनांक 28 मई, 1990 के आदेश के तहत अंतरराज्यीय परिषद का गठन किया गया था,** जिसकी पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 को हुई थी।
5. अंतरराज्यीय परिषद को राज्यों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों की जाँच करने और सलाह देने, कुछ या सभी राज्यों, या केंद्र और एक या अधिक राज्यों के समान हित वाले विषयों की पड़ताल और विमर्श करने का अधिकार है।
6. इस पर ऐसे विवादों पर सिफारिशें देने और नीति तथा कार्य के बीच बेहतर समन्वय के लिये सुझाव देने का दायित्व भी है।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

## स्त्री-पुरुष असमानता रिपोर्ट-2017

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के महिला पुरुष समानता सूचकांक में भारत 21 पायदान फिसलकर **108वें स्थान पर आ गया है।** अर्थव्यवस्था और कम वेतन में महिलाओं की भागीदारी निचले स्तर पर रहने से भारत अपने पड़ोसी देशों **चीन और बांग्लादेश से भी पीछे है।**

**क्या है**

1. **डब्ल्यूईएफ ने सबसे पहले 2006 में इस तरह की सूची प्रकाशित की थी।** उस समय के हिसाब से भी भारत 10 स्थान पीछे है।
2. डब्ल्यूईएफ की स्त्री-पुरुष असमानता रिपोर्ट-2017 के अनुसार, **भारत ने 67 प्रतिशत महिला-पुरुष असमानता को कम किया है**। यह उसके कई समकक्ष देशों से कम है।
3. इस सूची में **बांग्लादेश 47वें और चीन 100वें स्थान पर है।** वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो स्थिति बहुत अच्छी नजर नहीं आती। पहली बार ऐसा हुआ है जबकि डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट में स्त्री-पुरुष असमानता बढ़ी है। डब्ल्यूईएफ चार मानकों **शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्यस्थल तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व** के आधार पर महिला-पुरुषों में समानता का आकलन करता है।
4. **दशकों की धीमी प्रगति के बाद वर्ष 2017** में महिला- पुरुष असमानता को दूर करने के प्रयास ठहर से गए हैं। वर्ष 2006 के बाद से यह पहला मौका है जबकि अंतर बढ़ा है।
5. इस साल की रिपोर्ट 2 नवम्बर को प्रकाशित की गई है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर 68 प्रतिशत महिला पुरुष असमानता समाप्त हुई है। वर्ष 2016 में यह आंकड़ा 68.3 प्रतिशत का था।

**रिपोर्ट में अन्य**

1. इस रिपोर्ट में स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति के अलावा **"शैक्षणिक उपलब्धि"** और **"राजनीतिक सशक्तिकरण"** को भी सूचक बनाया गया था।
2. **वर्ल्ड इकोनॉमी फोरम ने पहली बार साल 2016 में ये रिपोर्ट जारी की थी।** उस समय इसमें कुल 115 देश ही शामिल थे।
3. इस रिपोर्ट में समानता के लिए अधिकतम एक अंक दिए जाते हैं और असमानता के लिए न्यूनतम शून्य अंक दिए जाते हैं।
4. इस साल भी लैंगिक समानता के मामले में दुनिया में सबसे बेहतर स्थित आइसलैंड की है उसे सूची में 0. 878 स्कोर मिला है।
5. **हाल के वर्षों में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में महिलाओं ने उल्लेखनीय प्रगति की है।** लेकिन वैश्विक स्तर पर हालिया रुख से पता चलता है कि अब स्थिति पलट रही है।
6. खासकर कार्यस्थल पर महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानता गहरा रही है।
7. डब्ल्यूईएफ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि **वर्ष 2234 तक ही हम कार्यस्थलों पर महिलाओं और पुरुषों में पूरी समानता को हासिल कर पाएंगे।**
8. डब्लूईएफ का कहना है कि असमानता को समाप्त करने की कोशिशें 2017 में आकर ठहर सी गई हैं।
9. एक साल पहले डब्ल्यूईएफ ने अनुमान लगाया था कि महिला पुरुषों के बीच असमानता को दूर करने में 83 साल लगेंगे।

## लिंग भेद्यता सूचकांक

1 नवंबर 2017 को **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** की ओर से **प्लान इंडिया की ओर से बनाई गई रिपोर्ट** को जारी किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, **भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य गोवा है।** इसके बाद नंबर आता है **केरल, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर** का। वहीं दूसरी ओर, जिन राज्यों में महिलाएं सबसे अधिक असुरक्षित हैं उनमें **बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और देश की राजधानी दिल्ली हैं।** इस बात का खुलासा हुआ है **लिंग भेद्यता सूचकांक (जेंडर वल्नरेबिलिटी इंडेक्स यानी जीवीआई)** से। **इस रिपोर्ट को 'प्लान इंडिया' ने बनाया है** और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे जारी किया है।

**क्या है**

1. इस रिपोर्ट में **गोवा को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य बताया गया है,** जबकि दिल्ली को महिलाओं की सुरक्षा के नजरिए से सबसे खराब बताया गया है।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. **गोवा का जीवीआई 0.656 है,** जो कि **देश के औसत जीवीआई 0.5314 से अधिक है।**
3. जीवीआई के तहत **राज्यों को शून्य से लेकर 1 तक के पैमाने पर स्कोर दिए गए हैं।**
4. इस स्केल में **जो राज्य 1 के करीब होगा वह सबसे अच्छा** और **जो 0 के करीब होगा वह बुरा होगा।**
5. गोवा न सिर्फ महिलाओं की सुरक्षा के नजरिए से सबसे ऊपर है, बल्कि शिक्षा में पांचवें, स्वास्थ्य में छठे, जीविका कमाने में सातवें और गरीबी के मामले में आठवें नंबर पर है। केरल 0.634 जीवीआई के साथ दूसरे नंबर है।
6. इस लिस्ट में सबसे खराब हालत है बिहार की। **0.410 जीवीआई के साथ बिहार इस लिस्ट में सबसे नीचे है।** राज्य में 39 फीसदी लड़कियों की शादी 18 वर्ष से कम आयु में हो जाती है। सर्वे के दौरान 15-19 वर्ष के आयुवर्ग की 12.2 महिलाएं या तो मां बन चुकीं थीं या फिर गर्भवती थीं।
7. अगर बात की जाए दिल्ली की तो **30 राज्यों की इस लिस्ट में वह 28वें नंबर पर है** यानी बिहार से सिर्फ दो नंबर ऊपर। दिल्ली को 0.436 जीवीआई का स्कोर मिला है। महिला सुरक्षा और शिक्षा में इसका रेकॉर्ड बहुत खराब है।
8. झारखण्ड 27वें (0.450) नंबर पर था वहीं उत्तर प्रदेश 29वें (0.434) नंबर पर रहा। स्टडी का डाटासेट 170 संकेतों पर आधारित है इसमें 2011 की जनगणना भी शामिल है।
9. इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश 0.434 जीवीआई के साथ 29वें नंबर पर है, जबकि 0.450 जीवीआई के साथ झारखंड 27वें नंबर पर है। यानी दिल्ली, यूपी, बिहार और झारखंड में महिलाएं देश के किसी अन्य राज्य की तुलना में सबसे अधिक असुरक्षित हैं।
10. **भारत में करीब 29 फीसदी बच्चों की उम्र 0-5 वर्ष के बीच है।** इसके बावजूद चाइल्ड सेक्स रेशो (0-6 वर्ष) 919 है वहीं जन्म के समय यह 900 है।
11. इस इंडेक्स में एक बात साफ है कि एक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि का असर दूसरे क्षेत्रों में भी नजर आता है। इसके हालांकि कुछ अपवाद भी हैं। उदाहरण के लिए सिक्किम (4) और पंजाब (8) ने आर्थिक पहलू को छोड़कर सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया।

## बॉन में आयोजित कॉप-23

केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने **जर्मनी के बॉन में आयोजित कॉप-23 में भारतीय पवेलियन का उद्घाटन किया।** मंत्री महोदय एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो जर्मनी के बॉन में 6 नवंबर से 17 नवंबर, 2017 तक आयोजित जलवायु परिवर्तन पर **संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के 23वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-23) में भाग लेगा।**

**क्या है**

1. **कॉप-23 में भारतीय पवेलियन की थीम है- 'वर्तमान का संरक्षण, भविष्य की सुरक्षा'।** पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री अरूण कुमार मेहता ने कहा कि **अगले 11 दिनों तक भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना** और इसके अनुसार अपने को अनुकूल बनाने से संबंधित 20 सत्र आयोजित करेगा।
2. **पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** के संयुक्त सचिव श्री रविशंकर प्रसाद ने मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय पवेलियन देश के जलवायु कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा। भारतीय पवेलियन एक ऐसा मंच उपलब्ध कराएगा, जहां विश्व भर के नये विचारों का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा और विश्व के देश साथ आकर कार्यवाही कर सकेंगे।

## वैश्विक पोषण रिपोर्ट 2017

एक ताजा वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है कि **भारत कुपोषण की गंभीर समस्या से ग्रस्त है।** 6 नवम्बर को जारी इस रिपोर्ट के अनुसार, **देश में मां बनने की उम्र वाली आधी महिलाएं खून की कमी से पीड़ित हैं।** वैश्विक पोषण रिपोर्ट 2017 में भारत सहित 140 देशों में कुपोषण की स्थिति पर गौर किया गया।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. इसमें कहा गया कि **इन देशों में कुपोषण के तीन महत्वपूर्ण रूप हैं** जिनमें बच्चों में **विकास की कमी, मां बनने की उम्र वाली महिलाओं में खून की कमी** और अधिक वजन वाली वयस्क महिलाएं शामिल हैं।
2. ताजा आंकड़ों के अनुसार, **पांच वर्ष से कम के 38 प्रतिशत बच्चे विकासहीनता से प्रभावित हैं** जिसमें बच्चों की लंबाई पोषक तत्वों की कमी के कारण अपनी उम्र से कम रह जाती है और इससे उनकी मानसिक क्षमता पर बुरा प्रभाव पडता है।
3. **पांच वर्ष से कम के करीब 21 प्रतिशत बच्चे ऐसे विकार से ग्रस्त हैं** जिसमें उनका वजन उनकी लंबाई के अनुपात से कम होता है। मां बनने की उम्र वाली करीब 51 प्रतिशत महिलाएं खून की कमी से पीड़ित हैं। यह ऐसी समस्या है जिसमें दीर्घावधि में मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, 22 प्रतिशत से अधिक वयस्क महिलाओं का वजन जरूरत से ज्यादा है।

## गाइडेड बम का सफल परीक्षण

**स्वदेश में विकसित हल्के वजन वाले गाइडेड बम 'सॉ' (एसएएडब्ल्यू, स्मार्ट एनटी एयरफील्ड वीपन**) का ओडिशा के **चांदीपुर स्थित आईटीआर रेंज में भारतीय वायुसेना के विमान से सफल परीक्षण किया गया।** विमान से निकले गाइडेड बम ने सूक्ष्म नेवीगेशन प्रणाली का उपयोग करते हुए **70 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य को परिशुद्धता के साथ प्राप्त किया।**

**क्या है**

1. **विभिन्न स्थितियों और दूरियों को ध्यान में रखते हुए तीन परीक्षण किये गये** और सभी सफल रहे।
2. **इस गाइडेड बम का विकास डीआरडीओ के अन्य विभागों और भारतीय वायु सेना की सहायता से डीआरडीओ के रिसर्च सेन्टर इमारत (आरसीआई) द्वारा किया गया है।**
3. डीआरडीओ के अध्यक्ष और रक्षा आर एंड डी विभाग के सचिव डॉ. एस.क्रिस्टोफर ने टीम को बधाई दी और कहा कि 'सॉ' को जल्द ही सशस्त्र सेनाओं में शामिल किया जाएगा। मिसाइल और रणनीतिक प्रणाली के महानिदेशक डॉ. जी.सतीश रेड्डी ने कहा कि गाइडेड बम स्वदेशी क्षमता विकास में एक मील का पत्थर है।

## दीनदयाल 'स्पर्श' योजना का शुभारंभ

संचार मंत्री श्री मनोज सिन्हा ने 3 नवम्बर को **डाक टिकट संग्रह को प्रोत्साहन देने के लिए दीनदयाल स्पर्श योजना का शुभारंभ किया।** यह **पूरे भारत के स्कूली बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना है। 'स्पर्श' योजना के तहत कक्षा VI से IX तक** उन बच्चों को वार्षिक तौर पर छात्रवृत्ति दी जाएगी, जिनका शैक्षणिक परिणाम अच्छा है और जिन्होंने डाक टिकट संग्रह को एक रूचि के रूप में चुना है। सभी डाक सर्किलों में आयोजित होने वाली एक प्रतियोगी प्रक्रिया के आधार पर डाक टिकट संग्रह में रूचि रखने वाले छात्रों का चयन किया जाएगा।

**क्या है**

1. **योजना के अंतर्गत 920 छात्रवृत्तियां देने का प्रस्ताव है।** प्रत्येक डाक सर्किल अधिकतम 40 छात्रों का चयन करेगा। **कक्षा VI, VII, VIII, और IX में प्रत्येक से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा।** छात्रवृत्ति की राशि प्रति माह 500 रूपये (6000 रूपये वार्षिक) है।
2. छात्रवृत्ति पाने के लिए बच्चे को पंजीकृत स्कूल का छात्र होना चाहिए, **स्कूल में डाक टिकट संग्रह क्लब होना चाहिए** तथा बच्चे को इस क्लब का सदस्य होना चाहिए। यदि स्कूल में डाक टिकट संग्रह नहीं है, तो जिन छात्रों के डाक टिकट संग्रह के खाते हैं, उन्हें भी योग्य समझा जाएगा।
3. जो स्कूल इस प्रतियोगिता में भाग लेगा उसे **विख्यात डाक संग्रहकर्ताओं की सूची में से एक मार्गदर्शक चुनने का अवसर दिया जाएगा।** यह मार्गदर्शक स्कूल स्तर पर डाक टिकट क्लब की स्थापना में सहायता प्रदान करेगा और युवा डाक टिकट संग्रहकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करेगा।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

4. श्री सिन्हा ने कहा कि दीन दयाल **'स्पर्श' योजना, डाक टिकट पर किये गये परियोजना कार्य और प्रश्नोत्तरी पर आधारित होगी।**
5. डाक टिकट संग्रह रूचि, डाक टिकटों के संग्रह और इसके अध्ययन से जुड़ी है। इसमें संग्रह और शोध भी शामिल है। डाक टिकट संग्रह के अंतर्गत डाक टिकटों को ढूढंना, चिन्हित करना, प्राप्त करना, सूचीबद्ध करना, प्रदर्शन करना, संग्रह करना आदि कार्य शामिल हैं। डाक टिकट संग्रह की रूचि को सभी रूचियों का राजा कहा जाता है।

## कॉरेस्पोंडेंस से नहीं होगा कोई भी टेक्निकल कोर्स

देश की सर्वोच्च अदालत ने 3 नवम्बर को साफ कर दिया कि **किसी तरह का कोई भी टेक्निकल कोर्स कॉरेस्पोंडेंस मोड से नहीं होगा। ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व के फैसले** को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि **तकनीकि शिक्षा दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम** या माध्यम से उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने **शैक्षणिक संस्थानों से डिस्टेंस एजुकेशन मोड** में इंजीनियरिंग जैसे विषयों वाले कोर्स शुरू नहीं करने को कहा है। यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर ऐसा देखा जाता है कि **पत्राचार के माध्यम से टेक्निकल कोर्स करने वाले छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज कम होता है या नहीं होता है।**

**क्या है**

1. **ओडिशा हाईकोर्ट** ने इससे पहले टेक्निकल कोर्सेज को डिस्टेंस एजुकेशन मोड से कराने की मंजूरी दी थी। बता दें कि **इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, मेडिकल समेत कई ऐसे कोर्सेज हैं जिसे टेक्निकल कोर्स कहा जाता है।** अब सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद इनके कॉरेस्पोंडेंस मोड पर रोक लगा दी गई है। अब छात्र इनकी पढ़ाई पत्राचार के माध्यम से नहीं कर पायेंगे।
2. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस फैसले पर भी अपनी संस्तुति जाहिर की है, जिसमें **दो साल पहले हाईकोर्ट ने कंप्यूटर साइंस में दूरस्थ शिक्षा माध्यम से ली गई डिग्री को रेग्यूलर मोड** में ली गई कम्प्यूटर साइंस की डिग्री को एक समान मानने से इनकार कर दिया था।
3. देश में तकनीकि पाठ्यक्रमों और कोर्सेज को चलाने के लिए **अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से मंजूरी लेना अनिवार्य है।** सभी तरह के तकनीकि कोर्स चलाने वाले सरकारी और गैर सरकारी संस्थान एआईसीटीई के नियमों के मुताबिक ही संचालित होते हैं। केंद्र सरकार की यह संस्था सभी तकनीकि शिक्षण संस्थान, जो इंजीनियरिंग की डिग्री, डिप्लोमा, फार्मेसी या मैनेजमेंट का कोर्स चलाते हैं, उन्हें रेग्यूलेट करती है।
4. एआईसीटीई देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए नया संशोधित सिलेबस तैयार कर रही है। माना जा रहा है कि अगले शैक्षणिक सत्र से नया सिलेबस लागू कर दिया जाएगा।
5. **नए सिलेबस को मानव संसाधन विकास मंत्रालय से भी मंजूरी मिल चुकी है।** सिलेबस में परिवर्तन करने का मकसद इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छात्रों को नई टेक्नोलॉजी से रू-ब-रू कराने के साथ उन्हें रोजगार के अधिक मौके उपलब्ध कराना है। भारत में काफी समय से इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

## संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का खाका

चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी व नौसेना के प्रमुख सुनील लांबा ने **तीनों सेनाओं के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रपत्र को जारी कर दिया है।** इससे **तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन समन्वय स्थापित होगा** तो एक दूसरे की चुनौतियों के प्रति समझ भी विकसित होगी। **इसे तैयार करने के 90 के दशक में हुए खाड़ी युद्ध से सबक लिया गया।** इसमें तीनों सेनाओं ने एकीकृत कार्रवाई करके जंग जीती थी। **ज्वाइंट ट्रेनिंग डाक्ट्राइन इंडियन आर्म्ड फोर्सेज 2017** को तैयार करते समय तीनों सैन्य मुख्यालयों को शामिल किया गया। यह उस कार्यक्रम की अगली कड़ी है, जिसे अप्रैल 2017 में जारी किया गया था। तब **इसका नाम ज्वाइंट डाक्ट्राइन इंडियन आर्म्ड फोर्सेज 2017** था।

**क्या है**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

1. इससे न **केवल सेनाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी बल्कि आने वाले समय में उनकी दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी।** जरूरी संसाधनों का बेहतरीन इस्तेमाल कैसे किया जाए इसमें यह कोशिश कारगर साबित होने वाली है। मौजूदा समय को देखते हुए यह बेहद जरूरी कवायद है। सारे विश्व में इस पर काम किया जा रहा है।
2. **रूस के साथ चले प्रशिक्षण कार्यक्रम इंदिरा में भी कुछ इसी तरह की कवायद थी।** जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण की रणनीति में परिवर्तन भी किए जाएंगे। मौजूदा समय में हो रहे युद्धों को देखा जाए तो यह रणनीति बेहद जरूरी है।
3. नई दिल्ली में 19 से 24 नवंबर तक होने जा रही **आइसीएमएम (इंटरनेशनल कमेटी आन मिलिट्री मेडिसिन)** में इस बात पर प्रमुख तौर पर चर्चा की जाएगी कि महिलाओं को युद्ध में शामिल किया जाए तो चिकित्सकीय तौर पर क्या-क्या चुनौतियां सामने आएंगी और उनसे निपटने के उपाय क्या होंगे।
4. 80 राष्ट्रों के लगभग 350 चिकित्सक इसमें भागीदारी करेंगे। 26 सत्रों तक चलने वाली चर्चा में कई अन्य अहम विषयों को पर भी चर्चा होनी है। एयर कमॉडोर राजेश वैद्य का कहना है कि वायु सेना में हाल ही में तीन महिला लड़ाकू पायलट शामिल की गई हैं, लेकिन हमारे पास इस बात का कोई अनुभव नहीं है कि युद्ध में उन्हें शामिल किया जाए तो क्या विशेष परिवर्तन किए जाने चाहिए। उनका कहना है कि कांफ्रेंस में इस पर चर्चा की जाएगी।
5. ले. जनरल बिपिन पुरी का कहना है कि इस दौरान जैविक, रासायनिक व परमाणु हथियारों के प्रभाव पर भी मंथन होगा। **आइसीएमएम का गठन 1921 में किया गया था। भारत 112वें सदस्य के तौर पर 1949 में शामिल हुआ था।**

## पहली बार इजरायल में संयुक्त युद्धाभ्यास

**भारतीय वायु सेना ने इजरायल में होने वाले संयुक्त युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए C-130J सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट समेत** अपना 45 सदस्यीय दस्ता 31 अक्टूबर को रवाना किया। भारतीय दस्ते में **गरुड़ कमांडोभी** शामिल हैं। भारतीय दस्ता यहां 2 से 16 नवंबर तक होने वाले **बहुपक्षीय युद्धाभ्यास 'ब्लू फ्लैग-17'** में भाग लेगा।

**क्या है**

1. **इजरायल के उवादा में होने वाले इस युद्धाभ्यास में** भारत और इजरायल के अलावा **अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूनान और पोलैंड** भी हिस्सा लेंगे।
2. **यह पहली बार है जब भारत ने इजरायल में किसी युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए अपनी सैन्य टुकड़ी भेजी हो।** पीएम नरेंद्र मोदी की इस साल हुए इजरायल दौरे के बाद यह टुकड़ी अभ्यास के लिए गई है।
3. **ब्लू फ्लैग एक बहुपक्षीय युद्धाभ्यास है।** इसके जरिए इसमें हिस्सा लेने वाले देशों के बीच सैन्य सहयोग मजबूत करने का लक्ष्य होता है। उवादा एयर फोर्स बेस पर होने वाले इस अभ्यास में युद्ध कला की बारीकियां सीखने को मिलेंगी।
4. पहली भारतीय वायु सेना इजरायली वायु सेना के साथ बहुपक्षीय युद्धाभ्यास में भाग लेगी। इस युद्धाभ्यास में हमें दुनिया की बेहतरीन सेनाओं के साथ अनुभव साझा करने और सीखने का मौका मिलेगा।'

## राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण अधिनियम, 1993 में संशोधन को मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण अधिनियम, 1993 में संशोधन के लिए राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2017 शीर्षक से इस विधेयक को संसद में पेश करने के लिए अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है**, जिसमें एनसीटीई की अनुमति के बिना शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को संचालित करने वाले केन्द्रीय/राज्य/ विश्वविद्यालयों को भूतलक्षी प्रभाव से मान्यता प्रदान करने का प्रावधान है।

**क्या है**

1. इस **संशोधन में एन सी टी ई मान्यता के बिना शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** संचालित करने वाले केन्द्र/राज्य/संघ शासित क्षेत्र के वित्तपोषित संस्थानों/विश्वविद्यालयों को **अकादमिक सत्र 2017-2018 तक भूतलक्षी प्रभाव से मान्यता प्रदान करने का प्रावधान है।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

2. यह भूतलक्षी प्रभाव के मान्यता एक बारगी उपाय के रूप में दी जा रही है ताकि इन संस्थानों से उत्तीर्ण हुए। पंजीकृत छात्रों के भविष्य को खतरा न हो।
3. इस संशोधन से इन **संस्थाओं/विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अथवा यहां से पहले ही उत्तीर्ण हो चुके छात्र शिक्षक के रूप में रोजगार पाने के पात्र हो सकेंगे।** ऊपर उल्लिखित लाभों को प्राप्त करने की दृष्टि से स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय यह संशोधन लेकर आया है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसे **बी.एड और डिप्लोमा इन इलेमेंट्री एजुकेशन शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम** चलाने वाले सभी संस्थानों को **एनसीटीई अधिनियम की धारा 14** के अन्तर्गत राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद् से मान्यता लेनी होगी। इसके अलावा, ऐसे मान्यता प्राप्त संस्थानों/ विश्वविद्यालयों को एनसीटीई अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत पाठ्यक्रमों की अनुमति प्राप्त करनी होगी।
5. एनसीटीई ने सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और राज्य सरकारों/राज्य विश्वविद्यालयों/ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) को इस संबंध में लिखकर अवगत कराया है कि वे शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की शुरूआत करने के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करने को अनिवार्य कानूनी प्रावधान है और उन्हें यह अवगत कराने के लिए 31.3.2017 तक का समय दिया गया है कि यदि कोई ऐसा संस्थान/विश्वविद्यालय एनसीटीई की अनुमति के बिना कोई पाठ्यक्रम चला रहे हैं तो वे विगत मुद्दों के एक-बारगी समाधान के लिए एनसीटीई को इस बारे में अवगत करायें।

**पृष्ठभूमि:**

1. **एनसीटीई अधिनियम 1 जुलाई, 1995 को प्रभाव में आया था** और जम्मू व कश्मीर राज्य को छोड़कर यह देशभर में लागू है।
2. इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य **शिक्षक प्रशिक्षण प्रणाली की आयोजना और समन्वित विकास, प्रणाली, विनियमन की प्राप्ति का लक्ष्य** व उक्त प्रणाली में मानदण्डों व मानको का समुचित अनुरक्षण सुनिश्चित करना है।
3. अधिनियम के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से, शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को मान्यता देने के लिए इस अधिनियम में पृथक से प्रावधान किए गए हैं और मान्यता प्राप्त संस्थानों/विश्वविद्यालयों द्वारा अनुपालनार्थ मार्गदर्शी-निर्देश निर्धारित किए गए है।

## सुप्रीम कोर्ट ने एमओपी पर वापस लिया अपना फैसला

**सुप्रीम कोर्ट ने उच्च अदालतों में जजों की नियुक्ति के तौर-तरीकों (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग-एमओपी) पर अपने ही निर्णय को वापस लेने की व्यवस्था दी है।** दो जजों की पीठ ने 27 अक्टूबर को एमओपी को अंतिम रूप देने में हो रही देरी के न्यायिक पहलू की जांच-पड़ताल करने की बात कही थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने 8 नवम्बर 2017 को फैसला वापस लेने का निर्णय सुनाया। पीठ ने कहा कि **न्यायिक पहलू के नाम पर इन मामलों पर सुनवाई नहीं की जा सकती है,** क्योंकि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) वाद में पहले ही कानून तय किया जा चुका है।

**क्या है**

1. **शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता आरपी लूथरा की याचिका पर यह फैसला दिया है।** प्रधान न्यायाधीश के अलावा पीठ में जस्टिस एके सीकरी और जस्टिस अमिताव रॉय भी शामिल थे। **संविधान पीठ ने अक्टूबर, 2015 में एनजेएसी कानून को निरस्त कर दिया था।**
2. पीठ ने याचिका ठुकराते हुए कहा, 'तथ्यों और परिस्थितियों पर गौर करते हुए कोर्ट को तिल मात्र भी संदेह नहीं है कि याची ने मुख्य तौर पर एक व्यक्तिगत विवाद के निस्तारण की मांग की थी, जिसे दो सदस्यीय पीठ ने खारिज कर दिया था।'
3. **इससे पहले 27 अक्टूबर को जस्टिस आदर्श गोयल और जस्टिस यूयू ललित की पीठ ने एमओपी में देरी के न्यायिक पक्ष की पड़ताल करने की व्यवस्था दी थी।**
4. दो सदस्यीय पीठ ने अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल को नोटिस जारी कर सहयोग करने को कहा था। लूथरा ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति को कोर्ट के फैसले को आधार बनाते हुए चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

थी कि एमओपी को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। दो जजों की पीठ इस पर 14 नवंबर को सुनवाई करने वाली थी, लेकिन मंगलवार को इसे सीजेआइ की अध्यक्षता वाली बड़ी पीठ में सूचीबद्ध कर दिया गया था।

5. सुनवाई के दौरान पीठ, लूथरा और एमिकस क्यूरे (न्याय मित्र) केवी विश्वनाथन के बीच तीखी बहस हुई। जस्टिस अमिताव रॉय ने टिप्पणी की, 'आपकी (याची) समस्या यह है कि सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर नियुक्ति में आपके नाम पर विचार नहीं किया गया।

## राष्ट्रीय पेंशन योजना से जुड़ने की उम्र बढ़ी

केंद्र सरकार ने **राष्ट्रीय पेंशन योजना से जुड़ने की अधिकतम उम्र 60 से बढ़ाकर 65 साल कर दी है।** अब 65 साल की उम्र तक के लोग पेंशन योजना के तहत खाता खुलवा सकते हैं। **साथ ही 70 साल तक की उम्र तक इसे जारी रख सकते हैं।**

**क्या है**

1. **साठ से अधिक उम्र में एनपीएस से जुड़ने वाले खाताधारक के पास भी पेंशन कोष** और निवेश के लिए वही विकल्प होंगे जो 60 वर्ष की उम्र से पहले एनपीएस से जुड़ने वालों को मिलते हैं।
2. **इसमें 60 साल की उम्र के बाद योजना से जुड़ने वालों को एनपीएस में तीन साल पूरा होने पर सामान्य तरीके से खाता खत्म करने का विकल्प होगा।** ऐसे मामलों में खाताधारक कोष के 40 फीसदी हिस्से से वार्षिक वृत्ति लेना होगा और शेष राशि जो बनेगी उसे मिल जाएगी।
3. अगर कोई खाताधारक एनपीएस में 3 साल पूरे हुए बिना ही बाहर निकलना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन ऐसा करने से उसे **कुल कोष के 80 फीसदी हिस्से से वार्षिक वृत्ति खरीदनी होगी।**
4. शेष 20 फीसदी राशि उसे मिल जाएगी। एनपीएस की अवधि में अगर खाताधारक की मौत हो जाती है तो पूरा कोष उसके नामित को मिल जाएगा। पीएफआरडीए के इस कदम से वरिष्ठ नागरिकों को एनपीएस का लाभ मिलेगा।

## 'चिंतन शिविर' का उद्घाटन

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने **नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 'चिंतन शिविर'** का उद्घाटन किया। कार्यशाला का **मुख्य उद्देश्य 21वीं सदी के भारत के लिये प्रासंगिक समग्र शिक्षा प्रदान करना** और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र के मुख्य हितधारकों तथा व्यक्तियों को शिक्षा क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिये एकजुट करना है।

**क्या है**

1. इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने कार्यशाला आयोजित करने के लिये मंत्रालय के अधिकारियों को बधाई दी और कहा कि इसके जरिये **हम एक दूसरे के बेहतरीन तरीके सीख सकते हैं।** उन्होंने कहा कि कार्यशाला मुख्यरूप से पांच विषयों- **डिजीटल शिक्षा, जीवन कौशल शिक्षा, प्रायोगिक अध्ययन, शारीरिक शिक्षा और नैतिक शिक्षा** पर केंद्रित है।
2. **आगामी वर्षों में देश भर के स्कूलों में 'ऑपरेशन डिजीटल बोर्ड' कार्य करने लगेगा।** उन्होंने कहा कि सरकार और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न संगठनों को देश के सभी छात्रों को डिजीटल शिक्षा प्रदान करने लिए सामग्री डालने में सहयोग तथा सामान्य डिजिटल मंच तैयार करना चाहिए।
3. छात्रों को स्वस्थ और तंदुरूस्त रहने के लिए अपनी पसंद के व्यायाम, योग, एरोबिक्स, दौड़ आदि करने चाहिए। मंत्री महोदय ने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा तथा नैतिक शिक्षा आज के समय की आवश्यकता है और समग्र विकास के लिए व्यक्ति को अपने व्यवहार में इन्हें जरूर शामिल करना चाहिए।
4. इस अवसर पर मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि **शिक्षा का ध्येय मनुष्य का संपूर्ण विकास और उसमें मानवता का भाव पैदा करना है।** उन्होंने कहा कि **संपूर्ण विकास का मतलब मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक विकास है।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

## विश्व मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन का उद्घाटन

राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 2 नवंबर, 2017 **नई दिल्ली में 21वें विश्व मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन** का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन **केयरिंग फाउंडेशन व अन्य संगठनों के सहयोग से वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ द्वारा** आयोजित किया गया है। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि **भारत में पहली बार विश्व मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।** हमारे देश में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। **राष्ट्रीय मानिसक स्वास्थ्य सर्वे 2016 के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या का 14 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य की समस्या** से पीड़ित है।

**क्या है**

1. राष्ट्रपति महोदय ने कहा कि **महानगरों में रहने वालों लोगों तथा युवा वर्ग में मानसिक रोग का जोखिम सबसे ज्यादा है।** भारत की 65 प्रतिशत आबादी की औसत उम्र 35 वर्ष से कम है। हमारे समाज का तेजी से शहरीकरण हो रहा है, ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य की संभावित महामारी का खतरा और भी बढ़ गया है।
2. राष्ट्रपति महोदय ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के मरीजों के लिए सबसे बड़ा अवरोध बीमारी का कलंक व बीमारी को अस्वीकार करना है। इसके कारण न तो इन मुद्दों पर ध्यान दिया जाता है और न ही इनकी चर्चा की जाती है।
3. मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में एक बड़ी समस्या है मानव संसाधन की कमी। 125 करोड़ लोगों के देश में सिर्फ 7 लाख डॉक्टर हैं। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह कमी और भी गंभीर है। हमारे देश में लगभग 5,000 मनोचिकित्सक और 2,000 से भी कम मनोवैज्ञानिक क्लिनिक हैं।
4. **राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम देश में 22 उत्कृष्टता केंद्रों का निर्माण कर रहा है।** जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत भारत के कुल 650 जिलों में से 517 को कवर किया गया है। मानसिक स्वास्थ्य को जमीनी स्तर पर ले जाने की कोशिश की जा रही है।
5. यह सम्मेलन **योग, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पारंपरिक दृष्टिकोण के सत्र आयोजित कर रहा है।** जब लोग योग के बारे में बातचीत करते हैं तो वे आम तौर पर इसके मनोवैज्ञानिक लाभ का उल्लेख करते हैं। योग के मानसिक, मनोवैज्ञानिक और संज्ञानात्मक लाभ हमारे अध्ययन के विषय हैं।

## भारतनेट के दूसरे चरण की शुरूआत

**भारतनेट के पहले चरण में 1 लाख ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टीविटी उपलब्ध कराई गई,** दूरसंचार विभाग ने इन स्थानों पर **ब्राडबैंड आधारित नागरिक सेवाएं** प्रदान करने के बारे में चर्चा शुरू की। राज्यों के साथ समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर और **नेटवर्क के उपयोग पर 13 नवंबर 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन, राज्य और सेवा प्रदाता भी शामिल होंगे** एयरटेल, रिलायंस जिओ, वोडाफोन और आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियों ने भारतनेट ढांचे में सहयोग के प्रति रुचि दिखाई है।

**क्या है**

1. **भारतनेट के दूसरे चरण को लागू करने करने के लिए राज्यों के साथ समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर होंगे।**
2. दूरसंचार विभाग सोमवार (13 नवंबर 2017) को भारतनेट ढांचे से लाभ उठाने और इसके विविध आयामों के बारे में चर्चा के लिए राज्य सरकारों और सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन में राज्यों के सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री और सूचना प्रोद्योगिकी सचिव भाग लेंगे।
3. **भारतनेट के पहले चरण में देशभर की एक लाख ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क पर ब्राडबैंड ढांचा उपलब्ध कराया गया है।** राज्य सरकारें भारतनेट ढांचे से लाभ उठाने के बारे में अपनी योजनाओं को साझा करेंगी।
4. दूरसंचार विभाग भारतनेट से मिलने वाली सेवाओं के बारे में कई जानकारियां देगा ताकि नेटवर्क से अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सके। दूरसंचार विभाग के सहयोगी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने ग्रामीण इलाकों में भारतनेट ढांचे से जुड़ी



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

सेवाओं के बारे में जानकारी देने के लिए केंद्र शुरू करने की पहल की है। सम्मेलन में ये प्रदाता अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

5. दूरसंचार विभाग ने पहले चरण के तहत काम को पूरा करने के लिए पिछले 6 माह में तेजी दिखाई है। भारतनेट के पहले चरण में देश के कई राज्यों की 1 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टीविटी उपलब्ध कराई गई है।
6. दिसंबर 2017 तक सभी एक लाख ग्राम पंचायतों में भारतनेट ढांचा काम करना शुरू कर देगा। वर्तमान में 90 हजार से अधिक पंचायतों में कार्य हो चुका है और 80 हजार ग्राम पंचायतों में भी सेवाएं जल्द शुरू होंगी।
7. सम्मेलन में दूरसंचार विभाग भारतनेट के दूसरे चरण को लागू करने के लिए राज्यों के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करेगा।

## जेलों को कम्प्यूटराइज करने वाला पहला राज्य

**बिहार के जेल अब पेपरलेस होने जा रहे हैं। बिहार देश का पहला राज्य बनने जा रहा है जहां जेलों के कामकाज कम्प्यूटराइज्ड होंगे।** कैदियों से लेकर जेल के अधिकारियों और कर्मियों तक का रिकॉर्ड कम्प्यूटर पर होगा। यहां तक की कैदियों से मुलाकात के लिए आने-वाले व्यक्तियों का भी डाटा बनेगा। **ई-प्रिजन योजना** के तहत जेलों के कामकाज को पेपरलेस बनाने के लिए **इंटरप्राइजेज रिसोर्स प्लानिंग (ERP) प्रणाली राज्य के सभी जेलों में लागू की जा रही है।** यह एक अत्याधुनिक सिस्टम है, जिसमें जेलों के सभी कामकाज को कम्प्यूटराइज्ड किया जाएगा।

**क्या है**

1. **पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आदर्श केन्द्रीय कारा बेउर में 2013 में ERP शुरू की गई थी।** इसकी सफलता के बाद **राज्य के अन्य 55 जेलों में इसे लागू किया जा रहा है।** 507 पदों पर संविदा आधारित बहाली की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 15 नवम्बर को इसका उद्घाटन करेंगे।
2. ईआरपी प्रणाली से न सिर्फ जेलों के कामकाज बेहतर तरीके से निपटाए जाएंगे, बल्कि कैदियों का डाटा भी कम्प्यूटराइज्ड होगा। एक क्लिक पर कैदियों का पूरा डाटा किसी की जेल में देखा जा सकेगा।
3. **कम्प्यूटर पर लोड होने वाले कैदियों के डाटा को ऑनलाइन भी देखा जा सकेगा।** प्रिजन मैनेजमेंट सिस्टम के अलावा इसमें गेट, प्रिजन एकाउंट, वेजेज, आर्म्स एंड एम्यूनेशन और हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम आता है। इसके तहत जेल में आने-जाने वाले हर व्यक्ति का डाटा होगा।
4. पदाधिकारियों और कर्मियों का पूरा ब्योरा, जेल के अकाउंट का लेखा-जोखा, कैदियों के पारिश्रमिक का हिसाब-किताब के साथ सुरक्षाकर्मियों के पास मौजूद हथियार और गोलियों का पूरा डाटा कम्प्यूटर में अपलोड होगा। कैदी कब जेल अस्पताल में गए, उन्हें क्या बीमारी थी और किस तरह की दवाएं दी गई इसका भी डाटा होगा, ताकि दोबारा भर्ती होने पर उसका इलाज बेहतर ढंग से हो।
5. **ईआरपी सिस्टम के तहत प्रिजन मैनेजमेंट की भी व्यवस्था है।** इससे अपराध पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी। इसके तहत कैदियों के फोटो और अंगुलियों के निशान के साथ आवाज के नमूने भी लिए जाएंगे। यह काम शुरू किया जा चुका है। घटनास्थल से मिले अंगुलियों के निशाने के अलावा फोन से धमकी देने के मामले में आवाज के नमूने का मिलान कर अपराधी की पहचान की जा सकती है।

# अन्तरराष्ट्रीय

## शिंजो आबे फिर से जापान के प्रधानमंत्री चुने गए

**आकस्मिक चुनाव के बाद जापान की संसद के निचले सदन** ने 1 नवम्बर को **लिबरल डेमोक्रैटिक पार्टी (एलडीपी) के शिंजो आबे को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में चुना।** आबे की पार्टी ने 22 अक्टूबर को हुए आकस्मिक चुनाव में जीत दर्ज की थी।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. **जापान के 63 वर्षीय नेता को प्रतिनिधि सभा में 465 वोट में से 312 वोट मिले।**
2. एलडीपी के नेता के रूप में आबे लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने दिसंबर 2012 में पदभार संभाला था।
3. आबे ने निचले सदन को भंग कर दिया था और सितंबर के अंत में आकस्मिक चुनाव की घोषणा की थी।
4. उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा लगातार किए जा रहे हथियार परीक्षणों की धमकियों का मुकाबला करने और उनके आर्थिक सुधारों को जारी रखने के लिए अपने लोकप्रिय समर्थन को मजबूत करने की आवश्यकता का हवाला दिया था।
5. उनके **आर्थिक सुधारों को 'आबेनोमिक्स' के नाम से जाना जाता है।** यदि वह 2018 में एलडीपी अध्यक्ष के रूप में फिर से चुने जाते हैं और नवंबर 2019 तक सत्ता में रहते हैं तो आबे सबसे लंबे समय तक जापान के प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन जाएंगे।

## भारत-चीन रिश्तों पर संसदीय समिति की रिपोर्ट

विदेश मंत्रालय से जुड़ी **स्थायी संसदीय समिति अगले महीने भारत-चीन रिश्तों पर अपनी रिपोर्ट संसद में पेश करेगी। समिति के अध्यक्ष शशि थरूर** ने यह जानकारी दी है। उनके मुताबिक, वर्तमान में समिति दोनों देशों के बीच पिछले दिनों विवाद का विषय बने **डोकलाम मुद्दे का अध्ययन कर रही है।** कांग्रेस नेता ने बताया कि **समिति भारत-चीन संबंधों के हर पहलू को विस्तार से परखना चाहती है।** इनमें दोनों देशों के बीच **व्यापारिक एवं राजनीतिक संबंध, एनएसजी में भारत की सदस्यता पर चीन का रुख, पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर बीजिंग की मौजूदा रणनीति** पर गौर करना खास तौर से शामिल है। साथ ही संसदीय समिति यह भी देखेगी कि **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों देशों में किस तरह का सहयोग कायम है।**

**क्या है**

1. पूर्व विदेश राज्यमंत्री थरूर ने बताया, **'फिलहाल हम डोकलाम जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विचार कर रहे हैं। इस वर्ष हमने भारत-पाकिस्तान संबंधों पर अपनी रिपोर्ट सौंपी है'।**
2. उम्मीद है कि अगले साल गर्मियों तक भारत-चीन रिश्तों पर संसद में रिपोर्ट पेश कर देंगे।श पिछले महीने डोकलाम मुद्दे पर विदेश मंत्रालय की स्थायी संसदीय समिति की दो बैठकें हुई।
3. पहली बैठक में विदेश सचिव एस जयशंकर ने सदस्यों को पूरे घटनाक्रम का ब्योरा दिया था।
4. दूसरी बैठक में जयशंकर के अलावा गृह सचिव और रक्षा सचिव भी शामिल रहे। अधिकारियों ने डोकलाम के पूरे घटनाक्रम से सदस्यों को अवगत कराया।

## भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्षिक संवाद

नई दिल्ली में 13 नवम्बर से शुरू होने वाले **चौथे वार्षिक मंत्रिस्तरीय संवाद (एएमडी)** में भाग लेने के लिए **कनाडा के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री श्री फ्रांकोइस-फिलिप शैंपेन के नेतृत्व में** एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भारत का दौरा कर रहा है। **भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री सुरेश प्रभु करेंगे।** मंत्रियों के बीच मुख्य रूप से **भारत और कनाडा के बीच व्यापार के क्षेत्र में भागीदारी को** बढ़ावा देने के बारे में चर्चा होगी। **व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए)** के तहत संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने के प्रयास किए जाएंगे, जिसमें **माल और सेवाओं** दोनों को

**पृष्ठभूमि**

1. भौगोलिक रूप से दोनों देशों के बीच भले ही दूरी हो लेकिन **दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों की शुरूआत 19वीं सदी के अंत में तब हुई,** जब भारतीयों ने कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया में छोटी-छोटी संख्या में पलायन करना शुरू किया था।
2. **कनाडा में फिलहाल भारतीय मूल के 12 लाख से अधिक व्यक्ति रह रहे** जो कि **कनाडा की कुल जनसंख्या का तीन प्रतिशत हैं।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

शामिल किया जाएगा।

**क्या है**

1. द्विपक्षीय व्यापार की उच्च संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए **दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रियों के बीच सीईपीए और विदेशी निवेश संवर्धन और संरक्षण समझौते (एफआईपीए)** के शुरुआती परिणामों के अनुसार और तेजी लाने के तरीके तलाशने के बारे में भी बातचीत होगी।
2. **कनाडा के अस्थाई विदेशी श्रमिक कार्यक्रम (टीडब्ल्यूएफपी) के तहत** भारत के हितों से जुड़े मसलों पर भी बातचीत होगी। इस कार्यक्रम से **अल्पावधि वीजा** लेने वाले भारतीय पेशेवरों को परेशानी हो रही है। भारतीय जैविक उत्पाद निर्यात और कनाडा की खाद्य निरीक्षण एजेंसी के बीच परस्पर निवेश का समझौता भी हो सकता है।

# अर्थशास्त्र

## बिजनेस ऑप्टिमाइज रैंकिंग में भारत

**बिजनेस ऑप्टिमाइज इंडेक्स में भारत दूसरे पायदान से फिसलकर 7वें पायदान पर पहुंच गया है।** भारत की रैंकिंग में यह गिरावट सितंबर तिमाही के दौरान देखने को मिली है। यह गिरावट अर्थव्यवस्था के पिछड़ने के संकेत दे रही है। **ग्रांट थोर्नटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार रिपोर्ट (आईबीआर)** के अनुसार **इस सर्वे में इंडोनेशिया टॉप पर रहा है। इंडोनेशिया के बाद फिनलैंड ने दूसरा स्थान हासिल किया है।** इसके बाद **नीदरलैंड नंबर 3 पर, फिलीपींस नंबर 4 पर, ऑस्ट्रिया नंबर 5 पर और नाइजीरिया नंबर 6** पर रहा है।

**क्या है**

1. व्यापार आशावाद पर तिमाही वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक भारतीय व्यवसायों ने अगले 12 महीनों में राजस्व की दृष्टि से कम आत्मविश्वास व्यक्त किया है। वहीं मुनाफे के पैमाने पर भी व्यवसायों के आत्मविश्वास में कमी देखने को मिली है।
2. **इस सर्वे में करीब 54 फीसद लोगों ने व्यवसायों में आशावादिता वाला दृष्टिकोण अपनाया है,** बीती तिमाही के दौरान यह आंकड़ा 69 फीसद का रहा था।
3. इस सर्वे के मुताबिक इसके अलावा अन्य मापदंडों जैसे कि **बिक्री कीमतों और निर्यात में इजाफे को लेकर भी इस तिमाही में थोड़ी कम आशावादिता नजर आ रही है।**
4. ग्रांट थॉर्नटन इंडिया एलएलपी के इंडिया पार्टनर लीडरशिप टीम के हरीश एचवी ने बताया कि यह सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के पिछड़ने का संकेत है, जिसकी वजह से रैंकिंग में गिरावट देखने को मिली है।
5. हालांकि सरकारी की ओर से उठाए जा रहे कदमों और सुधारों के चलते जिसके कारण **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस लिस्ट में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है,** अगली कुछ तिमाहियों में भारतीय व्यवसायों में आशावादिता के रूख की वापसी हो सकती है।"

## MSME के लिए सेंटीमेंट इंडेक्स क्रिसिडेक्स

**देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए सेंटीमेंट इंडेक्स लांच किया जाएगा।** इसका नाम **क्रिसिडेक्स** होगा। इसके लिए **सिडबी और क्रिसिल** ने हाथ मिलाया है। यह इंडेक्स एमएसएमई सेक्टर के लिए तिमाही आधार पर मौजूदा हालात और संभावनाओं का संकेत प्रदान करेगा। **इंडेक्स से इस सेक्टर में रोजगार, कारोबारी माहौल और विदेशी व्यापार से संबंधित अहम जानकारी मिलेगी। इसका पहला इंडेक्स जनवरी, 2017 में लॉन्च में होगा।** क्रिसिडेक्स के लिए दोनों कंपनियों ने एक एमओयू बनाया है। इसके तहत हर तिमाही में एमएसएमई के लिए सर्वे जारी किये जाएंगे। इसमें रोजगार, व्यवसायिक माहौल और विदेशी कारोबार के आंकड़ें, एमएसएमई के आकड़ें शामिल किये जाएंगे। यह उपाय इसलिए अपनाया गया है ताकि **देशभर के कारोबार की वास्तिवक स्थिति को नियमित रूप से संकलित और मापे जा सके।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का सम्मेलन 17 और 18 नवंबर को भोपाल में होगा।** समिट में प्रदेश के 1000 एमएसएमई उद्यमी, 1500 युवा उद्यमी, स्वरोजगार के उद्यमी और उद्योग संघ भी शिरकत करेंगे। समिट में उद्यमियों के लिए पांच तकनीकी सत्र भी होंगे।
2. समिट का उद्घाटन **मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान** और केंद्रीय एमएसएमई मंत्री गिरीराज सिंह करेंगे।
3. समिट में मप्र में स्थापित छोटे उद्योगों द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न् उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।
4. प्रदर्शनी में बड़े उद्योगों और छोटे उद्योगों के बीच आपसी व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से संवाद भी होगा।

## जीएसटी काउंसिल 23वीं बैठक

**जीएसटी काउंसिल की 23वीं बैठक (गुवाहाटी) में सिर्फ 50 वस्तुओं को ही 28 फीसद के जीएसटी स्लैब में रखने का फैसला किया गया है।** मौजूदा समय में इसमें सिर्फ **227 वस्तुएं शामिल हैं।** साथ ही इस बैठक में 177 की टैक्स दरों में संशोधन का फैसला किया गया है। गौरतलब है कि 1 जुलाई को लागू हुए वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत **टैक्स की 5 दरें 0 फीसद, 5 फीसद, 12 फीसद, 18 फीसद और 28 फीसद** निर्धारित की गई थीं।

**क्या है**

1. **आम उपभोग की चीजों पर 18 फीसद होगा जीएसटी:** जीएसटी काउंसिल ने च्विंगम से लेकर डिटर्जेंट तक आम उपभोग की चीजों पर टैक्स की दर को 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद कर दिया है। काउंसिल ने 177 उत्पादों पर टैक्स की दरों में कटौती की है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में चॉकलेट, वाशिंग पाउडर, डिटर्जेंट, ग्रेनाइट, शैंपू, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, सेविंग क्रीम जैसी करीब पौने दो सौ वस्तुओं पर जीएसटी की दर को 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद करने का फैसला लिया गया है।
2. **28 फीसद की स्लैब में 227 नहीं अब होंगे सिर्फ 50 उत्पाद:** अब 28 फीसद के जीएसटी ब्रैकेट (स्लैब) में आने वाली वस्तुओं को घटाकर 50 कर दिया है। पहले इस स्लैब में आने वाली वस्तुओं की संख्या 227 थी।
3. **इन उत्पादों पर लगता रहेगा 28 फीसद जीएसटी:** पेंट, सीमेंट, पान मसाला, एसी, वाशिंग मशीन जैसी 'सिन या डीमेरिट गुड्स ' पर जीएसटी की अधिकतम दर 28 फीसद जारी रहेगी।
4. **सरकार को होगा नुकसान:** काउंसिल ने कुछ वस्तुओं पर जीएसटी की दर 28 फीसद से घटाकर 18 फीसद करने का फैसला किया है जिससे सरकार को सालाना 20,000 करोड़ रुपए की राजस्व हानि होने का अनुमान जताया गया है।

## टिकाऊ सार्वजनिक यातायात वाले सौ शहरों में पांच भारतीय

**ग्लोबल डिजाइन एंड कंसल्टेंसी फॉर नेचुरल एंड बिल्ट असेट्स फर्म अर्कोडिस** द्वारा जारी 2017 **सस्टेनेबल सिटीज मोबिलिटी इंडेक्स** के **शीर्ष सौ शहरों में भारत के पांच शहरों चेन्नई, बेंगलुरु, दिल्ली,**
**मुंबई और कोलकाता ने स्थान पाया है।** मुंबई और नई दिल्ली की रैंकिंग खराब होने का कारण दोनों शहरों में बढ़ते प्रदूषण स्तर को बताया गया है। **सूचकांक में शीर्ष पर हांग कांग है।** दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमश: ज्यूरिख और पेरिस हैं। शीर्ष दस में सात शहर यूरोप के हैं।

**क्या है**

1. **सभी सौ शहरों का 23 अलग मानकों पर विश्लेषण करके सूचकांक तैयार किया गया है।** इसमें शहरी यातायात और उस तक लोगों की पहुंच व उपलब्धता के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा आधार बना।
2. **सभी 23 मानक तीन सब इंडेक्स पीपल, प्लैनेट और प्रॉफिट के हिस्से हैं।** ओवरऑल रैंकिंग के इतर इन मानकों के आधार पर भी शहरों को अलग-अलग रैंकिंग दी गई है।
3. **पीपल में यातायात के लिए लोगों की परेशानियों व सुविधाओं का विश्लेषण किया गया।**
4. **प्लैनेट में पर्यावरण पर पड़ने वाले यातायात के प्रभाव** और स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल का विश्लेषण किया गया।
5. **प्रॉफिट में यातायात प्रणाली से अर्थव्यवस्था को होने वाले लाभ** का विश्लेषण किया गया।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**अलग-अलग स्थान**

1. **पीपल सब इंडेक्स में भी पहला स्थान हांग कांग ने पाया है।** दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः न्यूयॉर्क और टोक्यो हैं।
2. **प्लैनेट सब इंडेक्स में पहला स्थान फ्रैंकफर्ट का है।** दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः म्यूनिख और बर्लिन को मिला है।
3. **प्रॉफिट सब इंडेक्स में पहला स्थान ज्यूरिख को मिला है।** दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः प्राग और वारसा का है।
4. **चेन्नई : ओवरऑल रैंक 34 और स्कोर 53.2 है।** पीपल सब इंडेक्स में 55वां स्थान और स्कोर 48.7 फीसद है। प्लैनेट सब इंडेक्स में 56वां स्थान और स्कोर 54.4 फीसद है। प्रॉफिट सब इंडेक्स में 11वां स्थान और स्कोर 56.1 फीसद है।
5. बेंगलुरु : ओवरऑल रैंक 56, स्कोर 45.5 फीसद है। पीपल सब इंडेक्स में 59वां स्कोर 46.7 फीसद है। प्लैनेट सब इंडेक्स में 70वां और स्कोर 50 फीसद है। प्रॉफिट सब इंडेक्स में 53वां,स्कोर 39.8 फीसद है।
6. कोलकाता : ओवरऑल रैंक 82 और स्कोर 37.9 फीसद है। पीपल सब इंडेक्स में 69वां स्थान और 41 फीसद है। प्लैनेट सब इंडेक्स में 85वां स्थान और स्कोर 36.3 फीसद है। प्रॉफिट सब इंडेक्स में 66वां स्थान और स्कोर 36.3 फीसद है।
7. नई दिल्ली : ओवरऑल रैंक 60 और स्कोर 44.5 फीसद है। पीपल सब इंडेक्स में 44वां स्थान और स्कोर 53 फीसद है। प्लैनेट सब इंडेक्स में 75वां स्थान और स्कोर 47.6 फीसद है। प्रॉफिट सब इंडेक्स में 79वां स्थान और स्कोर 33 फीसद है।
8. मुंबई : ओवरऑल रैंक 75 और स्कोर 41.2 फीसद है। पीपल सब इंडेक्स में 42वां स्थान और स्कोर 53.2 फीसद है। प्लैनेट सब इंडेक्स में 84वां, स्कोर 38 फीसद है। प्रॉफिट सब इंडेक्स में 80वां स्थान और स्कोर 32.6 फीसद है।

## शक्तिशाली महिलाओं की सूची में भारतीय

**फोर्ब्स की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में पांच भारतीय शामिल हैं।** इस सूची में **जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल पहले स्थान पर हैं।** वहीं भारतीय महिलाओं की सूची में आईसीआईसीआई बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी **चंदा कोचर सबसे ऊपर हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने पहली बार टॉप 100** में जगह बनाई है।

**सूची के अनुसार**

1. **आईसीआईसीआई बैंक की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक चंदा कोचर 32वें** और एचसीएल कॉरपोरेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) **रोशनी नादर मल्होत्रा 57वें स्थान** पर काबिज हैं। बायोकॉन की संस्थापक चेयरपर्सन **किरण मजूमदार शॉ 71वें स्थान** पर हैं। एक सौ लोगों की इस सूची में हिंदुस्तान टाइम्स मीडिया लिमिटेड की चेयरपर्सन **शोभना भरतिया 92वें** और अभिनेत्री **प्रियंका चोपड़ा 97वें** स्थान पर हैं। सूची में पेप्सिको की सीईओ भारतीय मूल की **इंदिरा नूयी 11वें स्थान** पर और भारतीय अमेरिकी निक्की हैले ने 43वें स्थान पर कब्जा किया है।
2. फोर्ब्स की इस सूची में जर्मन **चांसलर मर्केल लगातार सातवीं बार पहले स्थान** पर कायम रही हैं। उन्होंने कुल मिलाकर **12 बार इस सूची में पहला स्थान पाया है।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

3. मर्केल के बाद **ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा** मे दूसरे स्थान पर हैं। बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह चेयरपर्सन **मिलिंडा गेट्स तीसरे स्थान पर काबिज हैं।** सूची में फेसबुक की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) शर्लिन सैंडबर्ग चौथे और जीएम की सीईओ मैरी बारा पांचवें स्थान पर हैं।
4. **इस बार सूची में 23 महिलाओं को पहली बार शामिल किया गया है।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पुत्री इवांका ट्रंप को सूची में 19वां स्थान दिया गया है। यह सूची इन महिलाओं के पास धन, मीडिया में उपस्थिति, प्रभाव आदि के आधार पर तैयार की गई है।

## इस देश के पास सबसे बड़ा गोल्ड रिजर्व

**भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने की उपभोक्ता देश है। पहले स्थान पर चीन है।** देश में वर्ष 2017 में हर महीने औसतन 75 टन सोने का आयात हुआ है, जबकि सितंबर में यह आंकड़ा 48 टन रहा है। वहीं, बीते वर्ष की समान अवधि की तुलना में सितंबर महीने में सोने का आयात 31 फीसद बढ़ा है। **इंटरनेशनल फाइनेंशियल स्टैटिस्टिक्स की वर्ल्ड ऑफिशियल गोल्ड होल्डिंग नवंबर 2017 की सूची में भारत के कुल रिजर्व में से महज 5.7 फीसद सोने का रिजर्व है।**

**क्या है**

1. **चीन और अमेरिका के बीच गोल्ड रिजर्व के पैमाने पर भारी अंतर है।** जहां एक ओर चीन जिसे दुनिया का सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता देश माना जाता है उसके पास मात्र 1842.6 टन गोल्ड रिजर्व है वहीं दूसरी तरफ **दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका के पास 8133.5 टन का गोल्ड रिजर्व है।** यानी कि अमेरिका और चीन में 6192 टन सोने का अंतर है। अमेरिका का गोल्ड रिजर्व कुल रिजर्व का 74.7 फीसद है। वहीं, चीन का गोल्ड रिजर्व कुल रिजर्व का 2.4 फीसद है। **इस तरह चीन इस सूची में छठे स्थान पर है।**
2. **इंटरनेशनल फाइनेंशियल स्टैटिस्टिक्स की वर्ल्ड ऑफिशियल गोल्ड होल्डिंग की सूची में भारत 11वे स्थान पर है।** देश में कुल गोल्ड रिजर्व 557.8 टन है, जो कि कुल रिजर्व का 5.7 फीसद है।
3. इस लिस्ट में चीन और भारत के बीच रूस, स्विट्जरलैंड, जापान और नीदरलैंड जैसे देश हैं। चीन और भारत के गोल्ड में 1285 टन सोने का अंतर है।

**टॉप 10 में कौन से देश शामिल**

1. इस सूची में जहां **अमेरिका 8133.5 टन सोने के रिजर्व के साथ पहले स्थान पर है** वहीं, 612.5 टन सोने के रिजर्व के साथ **नीदरलैंड इस लिस्ट में 10वें स्थान पर है।**
2. **नीदरलैंड का गोल्ड रिजर्व कुल रिजर्व का 66 फीसद है।** लिस्ट में **दूसरे स्थान पर जर्मनी 3373.7 टन, आईएमएफ 2814 टन के साथ तीसरे, इटली 2451 टन के साथ चौथे**, फ्रांस 2435 टन के साथ पांचवें, चीन 1842.6 टन के साथ छठे, रूस 1778 टन के साथ सातवें, स्विट्जरलैंड 1040 टन के साथ आठवें, जापान 765 टन के साथ नौवें और नीदरलैंड 612.5 टन के साथ दसवें स्थान पर है।

## अति अमीरों के मामले में भारत चौथे स्थान पर

अत्यंत अमीरों यानी मिलियेनरों की संख्या के मामले में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत चौथे स्थान पर है। देश में 219,000 अति अमीर लोग हैं। मिलियेनर उसे माना गया है **जिसकी संपदा कम से कम दस लाख डॉलर (6.5 करोड़ रुपये)** है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में **इन अमीरों की कुल संपदा 877 अरब डॉलर है। कैपजेमिनी** द्वारा 7 नवम्बर को **जारी वर्ष 2017 की एशिया-पैसेफिक वेल्थ रिपोर्ट** के अनुसार **एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कुल मिलियेनरों यानी अत्यंत अमीरों में से चार फीसद भारत में रहते हैं।** उनकी संख्या के मामले में भी भारत का चौथा स्थान है। अत्यंत अमीरों की संपदा के आंकलन में उनकी निवेश योग्य परिसंपत्तियों को शामिल किया गया है। उनके मुख्य **आवास, संग्रहणीय वस्तुओं, उपभोक्ता व टिकाऊ वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. रिपोर्ट के अनुसार **2016 के अंत में जापान में अति अमीरों की संख्या जापान 28.91 लाख, चीन में 11.29 लाख** और **ऑस्ट्रेलिया में 2.55 लाख** थी।
2. वर्ष 2015 व 2016 के दौरान भारत में अति अमीरों की संख्या 9.5 फीसद बढ़ी। यह वृद्धि समूचे क्षेत्र में अति अमीरों की संख्या में वृद्धि दर 7.4 फीसद से ज्यादा रही। भारत में वृद्धि दर चीन व जापान से कहीं ज्यादा रही। इन देशों में अति अमीरों की संख्या वृद्धि दर क्रमश: 9.1 और 6.3 फीसद रही।
3. रिपोर्ट में कहा गया है कि **अति अमीरों की संपदा बढ़ने का ग्राफ और तेज रहा**। वर्ष 2015 व 2016 के दौरान उनकी संपदा दहाई अंक में यानी दस फीसद की दर से बढ़ी जबकि पूरे क्षेत्र की औसत वृद्धि दर 8.2 फीसद रही। भारत में वर्ष 2015 में संपदा वृद्धि दर लगभग स्थिर 1.6 फीसद रही।
4. लेकिन इसके बाद 2016 में इसकी दर दस फीसद हो गई। मुख्य रूप से शेयरों और रियल एस्टेट में तेजी आने से संपदा बढ़ी। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 और 2018 में आर्थिक विकास दर तेज रहने की संभावना से भारत का ग्राफ इस मामले में और ऊपर जा सकता है।
5. **चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 41 फीसद भारतीय अति अमीरों की वित्तीय संपदा घरेलू बाजार से बाहर थी।** उनकी संपदा सिंगापुर में (22.2 फीसद), दुबई (14.4 फीसद) और लंदन (13.4 फीसद) में निवेश की हुई थी।

# विज्ञान एवं तकनीकी

## पहला भारतीय क्लाउड प्लेटफार्म

**क्लाउड पर प्रभावशाली एप्लीकेशन बनाने में कस्टमर्स की मदद के लिए** गूगल ने 1 नवम्बर को अपना **पहला गूगल क्लाउड प्लेटफार्म (जीसीपी)** के मुंबई में लांच करने की घोषणा की। भारत में लांच के साथ **इंटरप्राइजेज को हाई स्पीड**, लगने वाले समय में तेजी के साथ और भी कई लाभ मिलेंगे जो विशेष रूप से **जीसीपी (गूगल क्लाउड प्लेटफॉर्म) सर्विस** द्वारा उपलब्ध होगा। अब भारतीय कस्टमर इन सर्विसेज को सीधे तौर पर अपने देश की मुद्रा में ही खरीद सकेंगे।

**क्या है**

1. **गूगल क्लाउड प्लेटफार्म** के प्रोडक्ट मैनेजर डवे सटिवर ने कहा, 'हमें भारत में पहले जीसीपी क्षेत्र की घोषणा करते हुए काफी प्रसन्नता हो रही है। इस नए क्षेत्र से कस्टमर को एप्लीकेशन बनाने और अपने डाटा को स्टोर करने में मदद मिलगी साथ ही समय में होने वाली देरी भी कम हो जाएगी।
2. भारतीय क्षेत्र **कंप्यूट, डाटा, स्टोरेज और नेटवर्किंग समेत कई सर्विस का ऑफर देता है।** क्लाउड रीजन को तीन भाग में विभाजित किया गया है। यह अनेक नए पार्टनरों के लिए नवीन अवसरों को भी उपलब्ध कराएगा जो गूगल क्लाउड पर अपने सर्विसेज का निर्माण करेंगे।
3. **नया मुंबई क्षेत्र सिंगापुर, ताइवान, सिडनी और टोक्यों को एशिया पैसिफिक क्षेत्र से जोड़ता है।**

## आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से तैयार यह पहला गाना

**टेक्नोलॉजी की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस** एक आम बात थी। लेकिन, संगीत की दुनिया में भी अब इसका दखल हो चुका है। जी हां, **मशहूर यू-ट्यूब स्टार, कंटेंट क्रिएटर, सिंगर टैरिन साउदर्न** ने हाल ही में **आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस** से तैयार अपना पहला गाना रिलीज किया है। **'ब्रेक फ्री' नाम का यह सिंगल टैरिन** ने पूरी तरह आर्टिफिशियल प्लेटफॉर्म पर तैयार किया है। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) के साथ कंपोज और प्रोड्यूस किया गया यह पहला सॉन्ग है। बेशक गाने और धुन साउदर्न ने ही तैयार की हैं, लेकिन बैकिंग ट्रैक उन्होंने अपने लैपटॉप से तैयार किया है। गाने को खूबसूरत बनाने के लिए साउदर्न ने कई तरह की सैटिंग्स की। अब **साउदर्न 'आई एम एआई' नाम से पूरी एल्बम रिलीज करने की तैयारी में है।** अगले साल तक यह एल्बम उपलब्ध हो सकेगी।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. साउदर्न का कहना है कि **अब मेरा नया सहयोगी कोई इंसान नहीं है,** बल्कि यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ऐल्गरिदम है।
2. एक यू-ट्यूब स्टार के तौर पर साउदर्न ने कई तरह की नई तकनीक का इस्तेमाल करती रही हैं। लेकिन, **एआई के प्रति उनकी रुचि तब और ज्यादा बढ़ गई,** जब उन्होंने एक आर्टिकल में इसकी मदद से म्यूजिक तैयार हो सकने की संभावनाओं को पढ़ा।
3. साउदर्न के अनुसार, इस तकनीक की मदद से गाना तैयार करना हास्यास्पद भी हो सकता है, लेकिन, गौर करने वाली बात यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए तैयार गाना इंसानों के लिए एक चेतावनी तो है ही।
4. साउदर्न मानती हैं कि **सॉफ्टवेयर की मदद से एक अच्छा गाना तैयार करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है।** तरकीब लगानी पड़ती हैं। इसमें ईमानदारी के साथ इंसान की मदद की जरूरत होती है।

## पहली बार 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट' लड़का बना नागरिक

**जापान के मध्य टोक्यो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट लड़के को नागरिक का दर्जा दे दिया गया।** यह **एक वर्चुअल पात्र है** जो **किसी सात साल के लड़के की तरह लगता है। 'शिबुया मिरई'** नामक इस लडके का वैसे तो शारीरिक तौर पर वजूद नहीं है लेकिन वह **मैसेजिंग एप श्लाइनश के जरिए लोगों से बातचीत कर सकता है।** यहां तक की संदेशों का जवाब भी दे सकता है।

**क्या है**

1. **इसके साथ शिबुया मिरई जापान का पहला और शायद दुनिया का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पात्र बन गया है** जिसका नाम असल जिंदगी की स्थानीय रजिस्ट्री में दर्ज किया गया है।
2. मशीनों द्वारा दिखाई जाने वाली बुद्धिमता को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कहा जाता है। टोक्यो में फैशन के प्रति रूचि रखने वाले युवाओं के लिए मशहूर उपनगरीय क्षेत्र शिबुया ने इस पात्र को विशेषष निवासी का सर्टिफिकेट दिया हैं।
3. **जापानी भाषा में मिरई का मतलब भविष्य होता है**। इंसानों से मिलना है पसंद शिबुया ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य प्रांत की स्थानीय सरकार को निवासियों और अधिकारियों को उनकी राय सुनने के प्रति ज्यादा अनुकूल बनाना है।
4. इस पात्र को संयुक्त रूप से विकसित करने वाले माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक बयान में शिबुया ने बताया कि उसे तस्वीरें लेने और लोगों को देखने का शौक है। उसे लोगों से बात करना पसंद है।

## सौरमंडल के करीब मिला सूर्य जैसा तारा

वैज्ञानिकों ने **प्रॉक्सिमा सेंचुरी नाम के तारे का पता लगाया है** जिसके पास **सूर्य के जैसे ही ग्रहों का एक मंडल है।** इस तारा के आस पास ठंडी धूल की परत दिखी है जो पत्थर या बर्फ के टुकड़े हो सकते हैं। इस नतीजे से संकेत मिलता है कि **हमारे सौर मंडल का सबसे करीबी तारा व्यापक रूप से ग्रह मंडल की मेजबानी करता है। चिली स्थित अटाकामा लार्ज मिल्लीमीटर अरे (एएलएमए) प्रेक्षणशाला** के नए आकलन से खुलासा हुआ कि क्षेत्र में ठंडी धूल से आने वाली रोशनी **प्रॉक्सिमा सेंचुरी से उस दूरी की तुलना में एक से चार गुना है जितनी की धरती से सूर्य की दूरी है।**

**क्या है**

1. **आंकड़े ज्यादा ठंडी बाहरी धूल की परत की मौजूदगी का भी संकेत देते हैं** इनसे ग्रह मंडल की मौजूदगी का संकेत भी मिल सकता है। यह ढांचे सौर मंडल के ज्यादा बृहत परत की तरह हैं और इनके चटटानों और बर्फ के कणों से बने होने की भी उम्मीद है।
2. **प्रॉक्सिमा सेंचुरी सूर्य का सबसे करीबी तारा है।** यह एक छोटा लाल बौना ग्रह है जो हमसे चार प्रकाश वर्ष की दूरी पर है। **धरती के आकार का प्रॉक्सिमा बी इसकी परिक्रमा करता है और इसकी खोज 2016 में हुई थी।** यह सौर मंडल के इतर सबसे करीबी ग्रह है और इस ग्रह मंडल में एक ग्रह के अलावा भी चीजें हैं।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

3. एएलएमए के नये आकलन से इस तारे के आसपास ठंडी ब्रह्मांडीय धूल के प्रसार का खुलासा हुआ है। स्पेन में **इंस्टीटयूटो डी एस्ट्रोफिसिका डी एंडालुका (सीएसआईसी) के ग्यूलीम** आंगलाडा ने कहा, प्रॉक्सिमा के आसपास की धूल महत्वपूर्ण है क्योंकि स्थलीय ग्रह प्रॉक्सिमा बी की खोज के बाद यह व्यापक ग्रह मंडल की मौजूदगी का पहला संकेत है और हमारे सूर्य के सबसे करीबी तारे के पास सिर्फ एक ग्रह नहीं है।
4. धूल की परत उस सामग्री की होती है जो ग्रह जैसी बड़ी संरचना नहीं बनातीं। इस परत में चटटान और बर्फ के कण आकार में भिन्नखभिन्न होते हैं।
5. **सबसे छोटा कण एक मिलिमीटर से भी छोटा होता है** तो बड़ा कर धूमकेतू की तरह कई किलोमीटर व्यास का भी है। इस परत का कुल द्रव्यमान धरती के द्रव्यमान का करीब 100वां हिस्सा है। इस परत का तापमान करीब माइनस 230 डिग्री सेल्सियस है जो हमारे बाहरी सौर मंडल की क्यूपर परत जितनी ठंडी है।

## 11 अरब साल पुरानी सर्पिल आकाशगंगा

**वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में सबसे पुरानी सर्पिल आकाशगंगा की खोज की है** जो **करीब 11 अरब साल पहले अस्तित्व में आयी थी** और इसकी खोज से आरंभिक ब्रह्मांड के बारे में गहन जानकारी मिल सकेगी। **ए1689बी11 नामक आकाशगंगा करीब 2.6 अरब साल पहले अस्तित्व में आयी थी,** तब ब्रह्मांड की उम्र मौजूदा समय का केवल पांचवा हिस्सा थी।

**क्या है**

1. **ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनीवर्सिटी (एएनयू)** एवं **स्विनबर्न यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी** के अनुसंधानकताओं ने इस आकाशगंगा के आरंभिक वर्ष एवं इसकी सर्पिल प्रकति की पुष्टि के लिये हवाई स्थित जेमिनी नॉर्थ टेलिस्कोप पर नीयर **इन्फ्रारेड इंटीग्रल फील्ड स्पेक्टोग्राफ (एनआईएफएस)** के साथ गुरत्वाकर्षक लेंस से युक्त एक शक्तिशाली तकनीक का इस्तेमाल किया था।
2. इस तकनीक से हमें उच्च विश्लेषण के साथ अभूतपूर्व विस्तत जानकारी के अध्ययन में मदद मिलेगी।
3. अनुसंधान टीम का नेतत्व करने वाली टियांटियां ने कहा कि इससे हम 11 अरब साल पहले के समय को समझने में सक्षम होंगे और इससे हमें पहले, सर्पिल आकार वाले आकाशगंगा के बनने की सीधी जानकारी मिलेगी।
4. अमेरिका में प्रिंसटन विश्वविद्यालय के रेनयू सान ने कहा, ए1689बी11 जैसी प्राचीन आकाशगंगा का अध्ययन कई जटिल गुत्थियां सुलझाएगा।

## नेत्रहीनों के लिए पहली जीन थेरेपी

**नई जीन थेरेपी की मदद से वंशागत दृष्टि बाधिता से पीड़ित लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है।** अमेरिकी वैज्ञानिकों की इस खोज के बाद नेत्रहीन भी दुनिया देख सकेंगे। वैज्ञानिकों ने **लेबर कॉग्निटल अमाउरोसिस (एलसीए)** से पीड़ित मरीजों पर अध्ययन किया। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को बचपन से दिखाई देना कम होने लगता है और कुछ समय के बाद वह अंधेपन से पीड़ित हो जाता है।

## अपनी तरह की पहली थेरेपी

1. शोधकर्ताओं के मुताबिक, **यह अपनी तरह की पहली जीन थेरेपी है,** जो इस समय अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन को समीक्षा के लिए भेजी गई है। उम्मीद है कि इलाज की **इस विधि को इस वर्ष स्वीकृति मिल जाएगी।**
2. वर्तमान में इस बीमारी का कोई इलाज नहीं शोधकर्ताओं के मुताबिक, अभी तक वंशागत दृष्टि बाधिता का कोई इलाज मौजूद नहीं है। इस नजरिए से यह एक महत्वपूर्ण खोज मानी जा रही है।
3. **आइओवा विश्व विद्यालय के वैज्ञानिकों ने इलाज की इस विधि से 29 मरीजों का इलाज किया।** इनमें से 27 मरीजों के इलाज में उन्हें सफलता मिली। उनकी दृश्यता में पर्याप्त सुधार देखा गया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस इलाज को स्वीकृति मिलने से और भी कई जीन थेरेपी के रास्ते खुल जाएंगे।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

4. शोधकर्ताओं के मुताबिक, **इस विधि को वोरेटिजीन नेपारवोवेक** कहा गया है, जिसमें आनुवांशिक रूप से संशोधित वाइरस को रेटिना में प्रवेश कराया जाता है।
5. इलाज के बाद मरीज आकार और प्रकाश देखने में सक्षम हो जाते हैं। इलाज का असर करीब दो साल तक रहता है। वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई है कि जीन थेरेपी से भविष्य में अंधेपन के लिए जिम्मेदार 225 जेनेटिक म्यूटेशन (डीएनए की संरचना में स्थायी बदलाव) का इलाज संभव हो जाएगा।

**क्या है एलसीए**

1. **एलसीए एक दुर्लभ बीमारी है**, जो 80 हजार लोगों में से किसी एक को होती है। **इस बीमारी का कारण एक या 19 अलग जींस हो सकते हैं।**
2. अब वैज्ञानिकों ने इस बीमारी के इलाज के लिए जिस थेरेपी की खोज की है उस पर विभाग द्वारा अगले वर्ष जनवरी में फैसला लिया जाना है। यदि इसे स्वीकृति मिल जाती है तो ये स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।
3. **कॉर्निया को सर्जरी के जरिए प्रत्यारोपित करने से पहले 11 दिन तक संरक्षित रखा जा सकता है।** यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। वर्तमान में कॉर्निया को केवल सात दिन तक ही संरक्षित रखा जाता है।
4. इसके बाद उस कॉर्निया का प्रयोग नहीं किया जाता। अमेरिका स्थित केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा मरीजों को इलाज के लिए दो समूहों में बांटा गया। एक को सात दिन तक संरक्षित रखी गई कॉर्निया लगाई गई और दूसरे समूह को आठ से 14 दिन वाली कॉर्निया। इसके लिए अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने 14 दिन तक सॉल्यूशंस में रखी कॉर्निया के इस्तेमाल की अनुमति दी।

## नीचे से पिघल रहा है अंटार्कटिका में ग्लेशियर

**पूर्वी अंटार्कटिका का विशाल टोटेन ग्लेशियर नीचे से पिघल रहा है।** इस वजह से भविष्य में **समुद्र का स्तर 11 फीट तक बढ़ सकता है**। एक नए अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों का मानना है कि **दक्षिणी सागर से बहने वाली हवा की वजह से ग्लेशियर पर प्रभाव पड़ रहा है।** ऑस्टिन में स्थित, टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में सेटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है।

शोधकर्ताओं ने अपनी रिसर्च में यह जानने की कोशिश की है कि **ग्लेशियर के नीचे मौजूद पानी पर वायु का कैसा प्रभाव पड़ रहा है।** इसके लिए उन्होंने सेटेलाइट तस्वीरों के साथ साथ विंड स्ट्रेस डाटा का भी उपयोग किया है।

**क्या है**

1. शोधकर्ताओं ने जानकारी दी है कि दक्षिणी सागर की हवा ग्लेशियर से गुजरते हुए काफी तेजी से पड़ती है। इसके बाद **ये हवाएं समुद्र के निचले तल पर मौजूद गर्म पानी को अपनी ओर खींचती हैं।**
2. इसके बाद **जब गर्म पानी हवा के साथ समुद्री तट पर पहुंचता है तो अपने साथ ग्लेशियर के कुछ टुकड़े भी ले जाता है।** इस वजह से ग्लेशियर के पिघलने की गति तेजी से बढ़ रही है। इस रिसर्च में यह बात भी निकलकर सामने आई है कि इस प्रक्रिया में हवा या समुद्र के तापमान में वृद्धि की आवश्यकता नहीं होती है।
3. टेक्सास विश्वविद्यालय के भूभौतिकी संस्थान में पीएचडी कर रहे चौड ग्रीनी ने बताया कि यह ठीक वैसा ही है जब आप किसी कटोरे में नूडल्स को पकाते हैं। उस समय नूडल्स नीचे से पकना शुरू होता है और फिर ऊपरी हिस्सा पकता है।
4. यह स्टडी पिछली रिसर्च पर भी आधारित है जिसे **ऑस्ट्रेलियाई अंटार्कटिक डिवीजन की एक टीम ने किया था।** नए अध्ययन की मानें तो जितनी तेजी से हवाएं चलती हैं, उतना ही ग्लेशियर के पिघलने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

# विविध

## देश का सबसे बड़ा अभिलेख म्यूजियम

**राजस्थान के बीकानेर में देश का सबसे बड़ा अभिलेख म्यूजियम बनेगा।** इस म्यूजियम में मुगल बादशाहों द्वारा राजपूत शासकों को लिखे गए **300 से अधिक हस्तलिखित शाही फरमान, 22 फीट लंबी पुरंदर की संधि,** शिवाजी के औरंगजेब के दरबार को छोड़कर जाने, **करीब एक हजार ताम्रपत्र और ऐतिहासिक बहियां प्रदर्शित की जाएंगी।**

**क्या है**

1. म्यूजियम में बनने वाली **गैलेरी में रियासत कालीन पट्टे, राजपूत राजाओं के आपसी पत्र व्यवहार**, पूर्व रियासतों व भारत के दुर्लभ नक्शों का चित्रण भी प्रदर्शित किया जाएगा।
2. राज्य अभिलेखागार विभाग के निदेशक डॉ. महेंद्र खड़गावत ने बताया **कि म्यूजियम में 17वीं व 18वीं शताब्दी के मूल अभिलेख** प्रर्दिशत करने के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाई गई है।
3. **देश में अपनी तरह का यह अलग म्यूजियम होगा।** इससे शोधाद्दथयों को लाभ होगा। देशी-विदेशी पर्यटक इस म्यूजियम को देख सकेंगे।
4. म्यूजियम को तैयार करने के लिए गुड़गांव की एक कंपनी को काम सौंपा जा रहा है। प्रारंभिक रूप में करीब 11 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

## 2017 का ज्ञानपीठ पुरस्कार घोषित

**साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार** के लिए **हिंदी की मशहूर लेखिका कृष्णा सोबती के नाम की घोषणा की गई है।** 92 वर्षीय कृष्णा सोबती को इस साल के ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा जाएगा। **प्रसिद्ध मार्क्सवादी आलोचक डॉ नामवर सिंह की अध्यक्षता में हुई भारतीय ज्ञानपीठ के निर्णायक मंडल** की बैठक में सोबती का चयन किया गया। कृष्णा सोबती को साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए **53वां ज्ञानपीठ पुरस्कार दिए जाने का फैसला लिया गया।** इस निणार्यक मंडल में गिरीश्वर मिश्र, शमीम हनफी, हरीश त्रिवेदी, रमाकांत रथ और भारतीय ज्ञानपीठ के निदेशक लीला धर मंडलोई शामिल हैं। बता दें बीते साल **यह पुरस्कार बांग्ला के मशहूर कवि शंख घोष को दिया गया था।**

**क्या है ज्ञानपीठ पुरस्कार?**

1. **ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय ज्ञानपीठ न्यास की ओर से साहित्य के लिए दिया जाने वाला देश का सर्वोच्च पुरस्कार है।**
2. देश का कोई भी नागरिक जो आठवीं अनुसूची में बताई गई २२ भाषाओं में से किसी भाषा में लिखता हो वो इस पुरस्कार के योग्य है।
3. पुरस्कार में ग्यारह लाख रुपये की धनराशि, प्रशस्तिपत्र और वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा दी जाती है।
4. **साल 2005 के लिए चुने गये हिन्दी साहित्यकार कुंवर नारायण पहले व्यक्ति थे** जिन्हें 7 लाख रुपए का ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था।
5. **साल 1965 में मलयालम लेखक जी शंकर कुरुप को पहला पुरस्कार दिया गया था।**

## कौन हैं कृष्णा सोबती?

1. **कृष्णा सोबती का जन्म गुजरात में 18 फरवरी 1925 को हुआ था।** विभाजन के बाद सोबती दिल्ली में आकर बस गई और तब से यही रहकर साहित्य सेवा कर रही हैं। उन्हें **1980 में 'जिन्दी नामा' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था।** 1996 में उन्हें साहित्य अकादमी का फेलो बनाया गया जो अकादमी का सवोर्च्च सम्मान है।
2. उन्हें व्यास सम्मान तथा हिन्दी अकादमी का श्लाका सम्मान भी मिल चुका है। साल 1966 में अपनी पुस्तक 'मित्रो मरजानी' से वह साहित्य में चर्चित हुई थी। उन्होंने 'बादलों के घेरे' 'सिक्का बदल गया' से अपनी खास पहचान बनाई। 'समय सरगम', 'हम हशमत', 'डार से बिछुड़ी', 'ऐ लड़की', उनकी चर्चित कृतियां हैं।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

## SC ने केंद्र को स्पेशल कोर्ट गठित करने को कहा

**दागी नेताओं के चुनाव लड़ने पर रोक लगाने वाली याचिका मामले पर चुनाव आयोग** ने 1 नवम्बर को सुप्रीमकोर्ट में कहा कि **सजायाफ्ता जनप्रतिनिधियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक लगनी चाहिए।** आयोग ने अपनी यह मांग सरकार के सामने भी रखी है। चुनाव आयोग ने कहा कि वह इस बारे मे कानून संशोधित करने के लिए सरकार को भी लिख चुका है। कोर्ट ने चुनाव आयोग से इस बात का प्रूफ मांगते हुए कहा कि कब लिखा है सरकार को, दिखाओ। इस मामले को लेकर **सुप्रीमकोर्ट ने केन्द्र सरकार से कहा कि नेताओं के आपराधिक मामले के जल्द निपटारे के लिए स्पेशल कोर्ट गठित की जाए।** इसके साथ ही कोर्ट ने **स्पेशल कोर्ट गठित करने के बारे मे सरकार को छह सप्ताह मे योजना पेश करने का निर्देश दिया।** सरकार योजना पर आने वाला खर्च भी बताएगी।

**क्या है**

1. जब **स्पेशल कोर्ट** गठित करने के लिए **ढांचागत संसाधन** और पैसे की बात आई तो केन्द्र ने कहा कि **स्पेशल कोर्ट गठित करना राज्य के क्षेत्राधिकार मे आता है।** केन्द्र की इस दलील पर कोर्ट ने कहा कि वो एक तरफ स्पेशल कोर्ट गठन का समर्थन करके दूसरी तरफ राज्य की बात कहकर हाथ नही झाड़ सकता।
2. **कोर्ट ने नेताओं के केस के लिए स्पेशल कोर्ट बनाने के अलावा सरकार से नेताओं के खिलाफ कुल लंबित केसों का ब्योरा मांगा है।**
3. कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वो 2014 मे नामांकन दाखिल करते समय 1581 लोगों द्वारा क्रिमिनल केस होने के दिए गए ब्योरे के केसों की डिटेल देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि सरकार बताए कि 1581 मे से कितने केस निपटा दिए गए है और कितनों मे सजा हुई है।
4. इसके अलावा सरकार यह भी बताए कि उन मामलों का निपटारा कितने दिन मे हुआ। क्योंकि **कोर्ट के 2015 के ऐसे मामले एक साल मे निपटाने के आदेश दिए थे।**
5. इसके साथ ही कोर्ट ने सरकार से ये भी पूछा है कि **2014 से 2017 के बीच जनप्रतिनिधियो के खिलाफ कितने नये केस दाखिल हुए** और उनमें से कितने निपटे। सरकार कोर्ट को यह भी बताएगी कि कितने मे सजा हुई। कोर्ट 13 दिसंबर को मामले पर फिर सुनवाई करेगा।
6. इससे पहले 31 अक्टूबर को **सुप्रीम कोर्ट में आपराधिक मामलों में सजायाफ्ता जनप्रतिनिधियों** के चुनाव लड़ने पर आजीवन रोक की मांग वाली PIL पर सुनवाई के दौरान दागी नेताओं के खिलाफ लंबित मामलों की जानकारी मांगी गयी थी। कोर्ट ने कहा था, क्या याचिकाकर्ता के पास इसका कोई ब्यौरा है।'
7. कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, '**आप सजा होने के बाद 6 साल की रोक पर बहस कर रहे हो लेकिन जब कोर्ट में केस 20-20 साल लंबित रहता है** और 4टर्म बीत जाते है, इसके बाद छह साल की रोक का क्या मतलब।'
8. कोर्ट ने कहा कि 20-20 साल केस लंबित रहते है जबकि कोर्ट का आदेश है कि ऐसे मामलों मे 6 महीने से ज्यादा स्टे नही दिया जाएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि यह बहस इसलिए है क्योंकि मुकदमों मे जल्दी फैसला नहीं आता।

## फोर्ब्स रियल टाइम बिलियनर्स की लिस्ट

**देश के सबसे अमीर शख्स और रिलायंस इंडस्ट्री के मालिक मुकेश अंबानी अब एशिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं।** फोर्ब्स मैगजीन की रियल टाइम बिलियनर्स की लिस्ट में मुकेश ने 42.1 अरब डॉलर( करीब 2 लाख 73 हजार 650 करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति के साथ चीन के हुइ यान को पछाड़ा है। 1 नवम्बर को **रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई** और यह 952.30 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। इससे यह **6 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैपिटल वाली भारत की पहली कंपनी बन गई।** वहीं मुकेश की निजी संपत्ति में 46.60 करोड़ डॉलर (3029 करोड़ रुपए) का इजाफा हुआ है। चीन के एवरग्रैंडे ग्रुप के चेयरमैन हुइ यान की संपत्ति 1.28 अरब डॉलर (8320 करोड़ रुपए) घटकर 40. 6 अरब डॉलर (2 लाख 63 हजार 900 करोड़ रुपए) रह गई।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**क्या है**

1. **रिलायंस इंडस्ट्री के शेयरों में 75 फीसद से ज्यादा के उछाल** की वजह से इस साल मुकेश अंबानी की निजी संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ है।
2. सितंबर महीने की तिमाही में रिलायंस इंडस्ट्री को तकरीबन एक बिलियन डॉलर का फायदा हुआ था। खासतौर पर पेट्रोकेमिकल और कच्चे तेल की रिफाइनिंग में कंपनी ने अच्छा मुनाफा कमाया है।
3. पिछले कुछ सालों से रिलायंस इंडस्ट्री का सालाना नेट प्रॉफिट 12 फीसद से ज्यादा की दर से बढ़ रहा है। सितंबर में खत्म हुई तिमाही में कंपनी का फायदा बढ़कर 8109 करोड़ हो गया, जो पिछली बार के 7209 करोड़ से ज्यादा है।

## पैराडाइज पेपर्स लीक

**'पैराडाइज पेपर्स' के खुलासे से भारत समेत दुनिया भर में खलबली मचने के बाद** मोदी सरकार ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। **पैराडाइस पेपर्स में में विदेशों में कालाधन रखने वाले भारत के 700 से ज्यादा अरबपतियों का नाम सामने आए हैं।** केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि **इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टीगेटिव जर्नलिस्ट (आईसीआईजे)** की तरफ से लीक किए गए नवीनतम पैराडाइज पेपर्स की जांच पनामा पेपर्स पर गठित जांच संगठनों का मल्टी एजेंसी ग्रुप करेगा। **सीबीडीटी ने कहा कि इस मल्टी एजेंसी ग्रुप की अध्यक्षता सीबीडीटी के चेयरमैन करेंगे** और इसमें **सीबीडीटी, ईडी, आरबीआई और एफआईयू** के प्रतिनिधि होंगे। सीबीडीटी ने कहा कि मीडिया द्वारा किए गए खुलासे में **180 देशों में भारत 19वें स्थान पर है** जिनमें **714 भारतीयों के नाम शामिल हैं।**

**जानें पूरा मामला**

1. **पैराडाइस पेपर्स में भारत के 714 लोगों में नाम हैं** जिनमें कई फिल्मी हस्तियां, नेता और उद्योगपति व कारोबारियों के नाम शामिल हैं। पैराडाइस पेपर्स में दुनिया के 120 से ज्यादा बड़े नेताओं के नाम हैं।
2. पैराडाइस पेपर्स- करीब डेढ़ साल पहले खोजी पत्रकारिता के **अंतरराष्ट्रीय समूह- द इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टीगेटिव जर्नलिस्ट (ICIJ) पनामा** की एक वित्तीय संस्था से कुछ पेपर लीक किया था जिनमें कालाधन रखने वाले दुनियाभर के बड़े लोगों के नाम सामने आए थे।
3. इस खोजी पत्रकारिता के **इसी संगठन ने कालधन से जुड़े कुछ नए पेपर्स लीक किए हैं** जिन्हें **पैराडाइस पेपर्स** के नाम दिया गया है।
4. **पैराडाइस लीक, पनामा पेपर्स लीक के बाद दुनिया की सबसे बड़ी संवेदनशील सूचना की लीक है।** इस बार लीक होने वाले डाटा का साइज 14 टीबी है जिसमें 13.4 मिलियन यानी एक करोड़ 30 लाख 40 हजार फाइलें हैं। इससे पहले पनामा पेपर्स में 6.8 मिलियन फाइल्स लीक की गई थीं।
5. पैराडाइस पेपर्स में जिन टैक्स हैवेन देशों से पेपर लीक किए गए हैं उनमें **एंटीगुआ - बारमुडा, अरुबा, द बहामास, बारबाडोस, बरमुडा, द केमैन आईलैंड, लेबुआन, लेबनान, माल्टा, समोआ, त्रिनिडाड और टोबैगो और वैनुआतू हैं।**
6. इस लीक में दुनिया की बड़ी हस्तियों में **अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सहयोगी रोस** और **रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के दामाद किरिल शमालव** का नाम है।
7. विदेशों में कालाधन छुपाने वालों में **20 ज्यादा अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट संगठन और कंपनियों के भी नाम हैं** जो लोगों का पैसा निवेश कराकर उनके धन की सुरक्षा और गोपनीयता उपलब्ध कराती हैं।
8. पैराडाइस पेसर्स में यह बताया गया है कि नेता-अभिनेता से लगाकर बड़े कारोबारी किस तरह से अपने देश की सरकारों को झूठी सूचना देकर अपना धन छपाते हैं।

## ये हैं भारत के बड़े नाम

1. भाजपा नेता : केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा और सांसद आरके सिन्हा
2. कांग्रेस नेता : अशोक गहलोत, सचिन पायलट, पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम, वीरप्पा मोइली के बेटे हर्ष मोइली



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

3. कारोबार : विजय माल्या और नीरा राडिया
4. बॉलीवुड : अमिताभ बच्चन, संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त
5. स्वास्थ्य : फोर्टिस-एस्कॉर्ट्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अशोक सेठ

**पहले के ये मामले बेअसर**

1. अप्रैल 2013 में ऑफशोर लीक्स के नाम से पहली बार जानकारी सामने आई थी।
2. इसमें 612 भारतीयों के नाम सामने आए थे।
3. फिर स्विस लीक्स के नाम से एक भंडाफोड़ हुआ। इसमें 1195 भारतीय के खाते एचएसबीसी बैंक की जिनेवा शाखा में होने की बात पता चली।
4. इन सभी मामलों के सामने आने के बावजूद कर चोरी करने वालों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

## इन कार्पोरेट समूहों के भी नाम

1. जीएमआर समूह
2. अपोलो टायर्स
3. हैवेल्ज
4. हिंदूजा समूह
5. एम्मार एमजीएफ
6. वीडियोकॉन
7. हीरानंदानी समूह
8. डीएस कंस्ट्रक्शन
9. यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड इंडिया

## कुपोषित बच्चों की संख्या के मामले में भारत विश्व में अव्वल

कुपोषित बच्चों की संख्या के मामले में भारत विश्व में अव्वल है। **एसोचौम व ईवाई के संयुक्त अध्ययन** में सामने आया है कि **विश्व के कुल कुपोषित बच्चों की संख्या का पचास फीसद केवल भारत में है।** रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि इससे उबरना है तो **नीतियां बनाकर सामाजिक भेदभाव को कम करना होगा।** सरकार को यह भी देखना होगा कि स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी सभी को एक समान रूप से मिलें।

## रिपोर्ट में कहा गया है कि

1. **2005-15 के दौरान शिशु व पांच साल से नीचे के बच्चों की मृत्यु दर में कमी देखने को मिली है**, लेकिन कुपोषण भारत की तस्वीर को भयावह करके दिखा रहा है।
2. 2015 के आखिर तक भारत के 40 फीसद बच्चे कुपोषित थे, जबकि शहरों में अधिपोषण की समस्या है।
3. विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट का हवाला देकर बताया गया है कि **मधुमेह के रोगियों के मामले में भारत को विश्व की राजधानी माना जा सकता है।**
4. यहां छह करोड़ 92 लाख मरीज इस रोग के हैं। रिपोर्ट कहती है कि खानपान की आदतों की वजह से कुपोषण व अधिपोषण की समस्या सामने आ रही है।

## महिला एशिया कप में भारतीय की जीत

**भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशिया कप के फाइनल में चीन को हराकर इतिहास रच दिया।** इससे पहले **पुरूष हॉकी टीम ने भी एशिया कप 2017 में खिताबी जीत हासिल की।** अब एशिया कप के दोनों वर्गों में भारत का कब्जा हो गया है। **महिला टीम को अपने दूसरे एशिया कप के लिये 13 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा।** उसने इससे पहले 2004 में खिताब जीता था, जब यह टूनार्मेंट नयी दिल्ली में खेला गया था। उसने तब फाइनल में जापान को हराया था।

**क्या है**

1. **महिला एशिया कप 2017 में भारतीय टीम ने रानी की कप्तानी में टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरूआत की।** टीम ने पहले ही मैच में सिंगापुर को 10-0 से हराकर अपना इरादा जाहिर कर दिया। यह मुकाबला 28 अक्टूबर को खेला



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

गया था। इसके बाद 30 अक्टूबर को चीन के खिलाफ खेले गये मुकाबले में भी भारत ने 4-1 से शानदार जीत हासिल की।

2. **टीम इंडिया तीसरा मैच 31 अक्टूबर को मलेशिया के खिलाफ खेला था।** इस मैच में भी भारतीय महिला टीम ने 2-0 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने क्वाटर फाइनल में जगह बना ली। इसके बाद क्वाटर फाइनल में भारत का मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ था, जिसे भारत ने 7-1 से जीता।
3. **इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम प्लेऑफ में पहुंच गयी और यहां टीम ने जापान को 4-2 से हराया।**
4. फाइनल में भारत और चीन आमने-सामने थे। यहां दोनों के बीच कड़ी टक्कर हुयी और अंततः भारत ने 5-4 से मुकाबला जीत लिया।

## नौंवी बार भारत आएंगे प्रिंस चार्ल्स

**ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स आठ नवंबर को भारत आएंगे।** प्रिंस चार्ल्स **अगले साल ब्रिटेन में होने वाली राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों की बैठक (चोगम) के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने आ रहे हैं।** विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने प्रिंस चार्ल्स की दो दिवसीय यात्रा के बारे में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान प्रिंस चार्ल्स की पत्नी डचेज ऑफ कॉर्नवेल, कैमिला पार्कर बाउल्स भी उनके साथ होंगी।

**क्या है**

1. प्रिंस चार्ल्स भारत के अलावा **सिंगापुर, मलेशिया, ब्रूनेई भी जाएंगे।** उनकी यह चार देशों की यात्रा 10 दिनों की होगी।
2. प्रिंस चार्ल्स की इस यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आएगी। यात्रा के दौरान प्रिंस चार्ल्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और जलवायु परिवर्तन, सतत विकास लक्ष्यों, आर्थिक सहयोग और आगामी चोगम बैठकों समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।
3. प्रिंस चार्ल्स की यह नौवीं भारत यात्रा होगी। इससे पहले प्रिंस 1975, 1980, 1991, 1992, 2002, 2006, 2010 और 2013 में भारत आ चुके हैं।
4. अप्रैल 2016 में प्रिंस चार्ल्स के बड़े बेटे प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडिलटन भारत आ चुके हैं।

## पनामा पेपर्स पर सात रिपोर्टें सरकार को सौंपी

पैराडाइज पेपर्स के सामने आने के बाद 6 नवम्बर को देर शाम सरकार ने **पनामा पेपर्स मामले में अब तक उठाए गए कदम की जानकारी दी।** सीबीडीटी के चेयरमैन की अध्यक्षता वाली **मल्टी एजेंसी ग्रूप (एमएजी) ने अभी तक पनामा पेपर्स मामले में सात रिपोर्टें सरकार को सौंप दी है।** पांच मामलों में आपराधिक मुकदमे भी दर्ज किये गये हैं। काले धन को लेकर सात मामलों में **आय कर अधिनियम, 2015 के तहत नोटिस जारी किये गये हैं।** ये नोटिस विदेशों में काला धन व संपत्तियों को छिपाने के मामले में जारी किये गये हैं। सनद रहे कि इस **एमएजी को ही पैराडाइज पेपर्स की जांच करने** का दायित्व सौंपा गया है।

**क्या है**

1. वित्त मंत्रालय ने बताया है कि **पनामा पेपर्स में 426 भारतीयों के नाम सामने आये थे।** सरकार का मानना है कि 147 मामलों में कार्रवाई की जा सकती है। जबकि 279 मामलों को कार्रवाई के योग्य नहीं माना गया है। इसमें से कुछ मामले प्रवासी भारतीयों का है या फिर कुछ ऐसे मामले में है जिनके खिलाफ कोई केस नहीं बनता है।
2. 35 मामलों में छापे मारी की गई है जबकि 11 मामलों में सर्वे किये गये। बहरहाल, जो जांच की गई है उससे 792 करोड़ रुपये की राशि को छिपाने का मामला उजागर हुआ है।
3. ऐसे में पांच मामले में आपराधिक मुकद्मे दर्ज किये गये हैं और सात मामलों में नोटिस जारी की गई है। साफ है कि अभी काफी जांच होनी बाकी है।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

## पोलावरम केस में सुप्रीम कोर्ट ने जुर्माना

**सुप्रीम कोर्ट ने पोलावरम मामले में जवाब ना देने पर केंद्र सरकार पर 25 हजार रुपये का जुर्माना किया है। पोलावरम बांध** के लिए हुए **अंतरराज्यीय समझौते में अविभाजित मध्यप्रदेश (अब छत्तीसगढ़) अविभाजित आन्ध्रप्रदेश (अब तेलंगाना सीमांध्र) व ओडिशा राज्य** शामिल है। परियोजना का उद्देश्य **सिंचाई, विद्युत उत्पादन, कृष्णा कछार में जल व्यपवर्तन है।**

**क्या है**

1. **पोलावरम परियोजना से दोरला आदिवासी प्रभावित होंगे** और इससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाएगा। गौरतलब है कि **पोलावरम अन्तर्राज्यीय परियोजना के लिए समझौते** पर दस्तखत **7 अगस्त 1978** को अविभाजित मध्यप्रदेश की जनता पार्टी की सरकार ने किया था। तब मुख्यमंत्री वीरेन्द्र कुमार सकलेचा थे। इसके बाद **संशोधित समझौता 2 अप्रैल 1980 को किया गया।**
2. **पोलावरम बांध का निर्माण सालों से चल रहा है।** बांध निर्माण से प्रदेश का अंतिम छोर पर बसा कोंटा पुरी तरह प्रभावित होगा। **पूरे ब्लाक में दोरला जनजाति के कई गांव है** जिस पर बांध का संकट गहराया हुआ है।
3. इस बांध की उचाई कम करने के लिए कोंटा इलाके व सुकमा जिले के कई नेताओं ने सभाओं का आयोजन भी किया। और सरकार के समक्ष कई बार मांगे भी रखी। वही उड़ीसा प्रदेश का भी कई हिस्सा डूबान में आ रहा है।
4. ऐसा अनुमान लगाया गया है कि बांध की वजह पोलावरम बांध से सुकमा जिले के कोंटा सहित 18 गांव और करीब आठ हजार हेक्टेयर भूमि जलमग्न हो जाएगी। वहीं नेशनल हाईवे का करीब 30 प्रतिशत लगभग करीब 13 किमी हिस्सा डूबने का दावा किया जा रहा है।

## मंगल ग्रह के लिए टिकट बुक

**अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मंगल अभियान** में दुनियाभर से **16 लाख लोग** शामिल हुए हैं। नासा ने मंगल ग्रह पर जाने में रुचि रखने वालों से आवेदन मंगाए थे में। इसके तहत पिछले सप्ताह तक नासा को 16 लाख नाम मिले हैं जो मंगल ग्रह में जाना चाहते हैं। नासा ने मीडिया को जानकारी दी है कि जिन लोगों से उन्हें मंगल यात्रा के लिए नाम मिले हैं उनके नाम **एक सिलिकॉन माइक्रोचिप में लिखकर आगामी मंगल मिशन के जरिए मंगल में भेजे जाएंगे।** नासा का यह आगामी मंगल मिशन मई 2018 से शुरू होगा।

**क्या है**

1. नासा ने कहा – 'हमारे इनसाइट लैंडर में यात्रा करने के लिए अपने नाम भेजे इसके लिए शुक्रिया। नवंबर 2018 तक 24 लाख नाम मंगल पर पहुंच जाएंगे'।
2. **ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब नासा ने मंगल मिशन के लिए लोगों ने नाम मांगे हो**, जबकि इससे पहले 2015 में भी नासा ने ऐसा काम कर चुका है। 2015 में 827000 लोगों ने अपने नाम भेजे थे जिन्हें एक **रोबोट नुमा इनसाइट लैंडर के साथ मंगल पर भेजा गया था।**
3. नासा ने बताया कि अब दूसरी बार 2018 के शुरुआत में ही 2.4 मिलियन यानी 24 लाख लोगों के नाम एक सिलिकॉन माइक्रो चिम में फीड किए जाएंगे और इस चिप को इनसाइट लैंडर में लगाकर मंगल ग्रह पर भेजा जाएगा।
4. **तकरीबन 1 लाख 38 हजार 899 भारतीय जल्द मंगल की यात्रा पर जाएंगे।** इन लोगों ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इनसाइट मिशन के तहत लाल ग्रह पर जाने के लिए टिकट बुक कराई है। यह मिशन मई 2018 में लॉन्च होना है। नासा ने कहा है कि जिन लोगों ने अपना नाम दिया है उन्हें **ऑनलाइन बोर्डिंग पास दिया जाएगा।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

5. **मंगल ग्रह की यात्रा के लिए नासा को अपना नाम भेजने वालों में भारतीय तीसरे नंबर है।** नासा को सबसे ज्यादा नाम अमेरिका से मिले और इसके बाद चीन से।

## भारत में प्राथमिक चिकित्सा परामर्श

**भारत में डॉक्टर मरीजों को औसतन महज दो मिनट ही देखते हैं।** एक नए वैश्विक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। इसमें कहा गया है कि **दुनिया की आधी आबादी के लिए प्राथमिक चिकित्सा परामर्श पांच मिनट से भी कम का होता है** जो कि **बांग्लादेश में 48 सेकेंड** और **स्वीडन में 22.5 मिनट है।**

**क्या है**

1. **ब्रिटेन की चिकित्सा पर आधारित पत्रिका बीएमजे ओपन** में कहा गया है कि **भारत में प्राथमिक चिकित्सा परामर्श का समय 2015 में दो मिनट था,** जबकि **पाकिस्तान में 2016 में यह महज 1.79 मिनट का रहा।**
2. पत्रिका में शोधकर्ताओं ने लिखा है कि **'कम परामर्श समय मरीज के खराब स्वास्थ्य नतीजे से जुड़ा है और डॉक्टरों को जूझने के लिए ज्यादा जोखिम हो जाता है।'**
3. दुनिया भर में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा की मांग बढ़ने से परामर्श के समय पर दबाव बढ़ रहा है।
4. मरीजों और स्वास्थ्य सुविधा तंत्र पर संभावित असर का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने 178 संबंधित अध्ययनों से परामर्श समय की समीक्षा की जिसमें 67 देशों और 2.85 करोड़ से ज्यादा परामर्श को समेटा गया है।

## भारत का सबसे क्रिएटिव शहर

**यूनेस्को ने रचनात्मक शहरों के नेटवर्क की सूची में तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई को शामिल किया है।** शहर को यह सम्मान **संगीत की समृद्ध परंपरा में योगदान** के लिए मिला है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नईवासियों को बधाई दी। **संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)** ने गत **31 अक्तूबर को 44 देशों के 64 शहरों की यह सूची 'यूनेस्को क्रियेटिव सिटीज नेटवर्क' के तहत जारी की।** इन्हें यूनेस्को महानिदेशक **इरिना बोकोवा** ने रचनात्मक शहरों की संज्ञा दी है।

**विभिन्न विशेषताओं के लिए इन्हें भी सम्मान**

1. संगीत के लिए – न्यूजीलैंड का ऑकलैंड, पुर्तगाल का अमारांते, मैक्सिको का मोरेलिया तथा इटली के पेसारो शहर।
2. डिजाइन के लिए – संयुक्त अरब अमीरात के दुबई, तुर्की के इस्तांबुल और चीन के वुहान सहित कुछ शहरों को इस सूची में जगह मिली।
3. नेटवर्क में इन्हें भी मिला स्थान – मिस्र की राजधानी काहिरा, दक्षिण अफ्रीका का केपटाउन एवं डरबन, ब्राजील का ब्राजीलिया, अमेरिका का कंसास और इटली का मिलान।

**क्या है**

1. यूनेस्को की ओर से जारी बयान के मुताबिक **अधिक टिकाऊ तथा समावेशी शहरी विकास** के कारकों के रूप में **नवोन्मेषिता एवं रचनात्मकता** को बढ़ावा देने के संस्था के प्रयासों के तहत इन शहरों को इस नेटवर्क में शामिल किया गया है।
2. **इस सूची के बाद अब इस नेटवर्क में कुल 72 देशों के 180 शहर शामिल हो गए हैं।** टिकाऊ विकास और नए शहरी एजेंडा के लिए संयुक्त राष्ट्र के 2030 के एजेंडा के क्रियान्वयन की रूपरेखा के तहत यह नेटवर्क शहरों को अपनी निरंतरता बनाने में समृद्ध संस्कति की भूमिका को प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा।

## हाईवे पर शराब बिक्री की छूट पूरे देश में लागू होगी

**सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नगरपालिका क्षेत्र में राज्य और राष्ट्रीय राजमार्ग के 500 मीटर के दायरे में शराब बिक्री को प्रतिबंध से मिली छूट पूरे देश में लागू होगी।** मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 नवम्बर को यह आदेश दिया। इस पीठ में जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भी शामिल हैं। पीठ ने कहा



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

कि तमिलनाडु **सरकार की याचिका पर वह एक वर्गीकृत आदेश जारी करेगा।** मद्रास हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को मुद्दे पर स्पष्टीकरण के लिए शीर्ष अदालत से संपर्क करने को कहा था।

**क्या है**

1. **शीर्ष अदालत ने देश भर में राजमार्गो के 500 मीटर के दायरे में शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था।**
2. 11 जुलाई को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की याचिका पर शीर्ष अदालत ने अपने आदेश को नरम कर दिया था। नगरपालिका क्षेत्र में हाईवे के साथ लगती शराब दुकानों को अनुमति दे दी थी।
3. मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के हाल के फैसले को ध्यान में लेते हुए कहा था कि शीर्ष अदालत द्वारा दी गई छूट केवल चंडीगढ़ तक सीमित है।
4. हाई कोर्ट ने इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत से स्पष्टीकरण के लिए संपर्क करने को कहा था। राज्य सरकार ने नगरपालिका क्षेत्र में शराब दुकानों को अनुमति दी थी। राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि 11 जुलाई को दिया गया आदेश स्पष्ट है। फिर भी स्पष्टीकरण आवश्यक है।

## भारत की प्रथम 'एयर डिस्पेंसरी'

**देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में ही भारत की प्रथम 'एयर डिस्पेंसरी' स्थापित की जाएगी,** जो एक हेलिकॉप्टर में अवस्थित होगी। केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्रालय ने इस पहल के लिए आरंभिक वित्त पोषण के एक हिस्से के रूप में 25 करोड़ रुपये का योगदान पहले ही कर दिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, जन शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय इस तरह के **सुदूरवर्ती क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर आधारित डिस्पेंसरी/ओपीडी सेवा सुलभ कराने की संभावनाएं तलाश रहा था।** उन्होंने कहा कि ऐसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में यह सेवा उपलब्ध कराई जाएगी जहां कोई भी डॉक्टर या चिकित्सा सुविधा सुलभ नहीं होती है और जरूरतमंद मरीजों को किसी भी तरह की चिकित्सा सेवा नहीं मिल पाती है। उन्होंने कहा कि **पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है** और यह अब केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अनुमोदन के अंतिम चरण में है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने विमानन क्षेत्र और हेलिकॉप्टर सेवा/पवन हंस के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद ये बातें कहीं।

**क्या है**

1. **केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय** इस प्रस्ताव को गंभीरता के साथ आगे बढ़ा रहा है, ताकि वर्ष 2018 के आरंभ में यह केन्द्र सरकार की ओर से पूर्वोत्तर क्षेत्र की आम जनता को एक अनुपम उपहार के रूप में प्राप्त हो सके।
2. **आज भी भारत की लगभग एक तिहाई आबादी को अस्पतालों में समुचित ढंग से बिस्तर उपलब्ध नहीं हो पाता है** जिसके चलते दूरदराज के इलाकों में रहने वाले निर्धन मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सेवा सुलभ नहीं हो पाती है।
3. पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की पहल पर पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए जा रहे इस प्रयोग को अन्य पहाड़ी राज्यों जैसे कि हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी अपनाया जा सकता है।
4. आरंभ में इस योजना के तहत हेलिकॉप्टर को दो स्थलों यथा मणिपुर के इम्फाल और शिलांग के मेघालय में अवस्थित किया जाएगा। इन दोनों ही शहरों में प्रमुख स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान हैं जहां के विशेषज्ञ डॉक्टर आवश्यक उपकरणों एवं सहायक कर्मचारियों के साथ हेलिकॉप्टर के जरिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी आठों राज्यों के विभिन्न स्थानों पर पहुंच कर डिस्पेंसरी/ओपीडी सेवा मुहैया करा सकते हैं।
5. **वापसी के दौरान उसी हेलिकॉप्टर से जरूरतमंद मरीज को शहर में लाकर संबंधित अस्पताल में भर्ती भी कराया जा सकता है।** पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अन्य नई हेलिकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध कराने की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आरंभ में इम्फाल, गुवाहाटी और डिब्रुगढ़ के आसपास अवस्थित क्षेत्र में छह मार्गों पर दोहरे इंजन वाले तीन हेलिकॉप्टरों का परिचालन सुनिश्चित किया जाएगा।



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

## दक्षिण भारत में भी प्रचलित थी सती प्रथा

कर्नाटक में बहुतायत पाए जाने वाले **वीरागाल्लू या हीरो स्टोन (एक तरह के अभिलेख) पर लड़ाई, राजा की मौत, किसी योद्धा की कहानी, जमीन देने का चित्रण और लेख लिखा** होता है जो उस समय के शासन और समयावधि के बारे में बताता है। **अब एक ऐसा हीरो स्टोन मिला है,** जिस पर प्राचीन काल में प्रचलित सती प्रथा का चित्रण किया गया है। **दक्षिण भारत में यह अपनी तरह का अनोखा मामला है।** सती प्रथा कमोबेश हर जगह प्रचलन में थी **पुरुष प्रधान समाज में महिलाएं यौन शोषण एर अत्याचारों से बचने के लिये सती होना अधिक उचित समझती थी**

**क्या है**

1. दसारहल्ली में हाल ही में मिले **हीरो स्टोन पर एक राजा और उसकी दो पत्नियों का चित्र बना है** जो संभवत: युद्ध में राजा के शहीद होने पर सती हो गई। यह स्टोन हाल तक गुमनामी में पड़ा हुआ था, लेकिन इन्स्क्रिप्शन ऑफ बेंगलुरु के सदस्य वहां जांच के लिए वहां गए तो पूरा मामला प्रकाश में आया।
2. **सती प्रथा में महिलाएं पति की मौत के बाद या तो मन से या जबरन आत्महत्या कर लेती थीं।** पति की चिता में जल मरना इस कुप्रथा में सबसे ज्यादा प्रचलित था। ब्रिटिश काल के समाज सुधारक राजा राममोहन राय और अदालत के कानूनों के द्वारा इस कुप्रथा का अंत हुआ।
3. **दसारहल्ली में मिले हीरो स्टोन पर कन्नड़ भाषा में लिखा है,** यह पेरियार, सिरियूरा का बेटा मारीसिंगा जब इनबतूर की गायें चोरी कर ली गई, मर गया। जब चौरा शासन कर रहे थे, उनकी मौत हो गई।श बेंगलुरु के सरकारी म्यूजियम में आयोजित प्रदर्शनी में इस हीरो स्टोन की तस्वीरें लगाई गई थीं।
4. इस पर लिखा गया था कि **यह अभिलेख 10वीं सदी का है।** इसमें एक ऐसे व्यक्ति की गाथा लिखी गई है जो अपने पशुओं की रक्षा करते समय मारा गया। यह अभिलेख हमें बताता है कि सिरियूरा के बेटे मारीसिंगा की इनबतूर के गांव में गायों की रक्षा करते हुए मौत हो गई थी। इस अभिलेख में दो महिलाओं के चित्र बने हुए हैं, जो या तो अप्सरा हो सकती हैं या राजा की पत्नियां हैं जो उनके साथ सती हो गई। इससे यह सती स्टोन प्रतीत होता है।
5. कर्नाटक के वरिष्ठ इतिहासकार पीवी कृष्णमूर्ति का मानना है कि **यह हीरो स्टोन 750 ईस्वी का है।** यह गंगा के शासन काल का अभिलेख है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस अभिलेख के नीचे का ज्यादातर हिस्सा नष्ट हो गया है, फिर भी इसके निचले हिस्से में राजा के ठीक बगल में दो महिलाओं का होना आश्चर्य पैदा करता है। इस लेख में सती होने का उल्लेख नहीं है, फिर भी गंगा के शासनकाल में यह कुप्रथा इस इलाके में प्रचलित थी।

## एक सदी पुराना सार्वजनिक खरीद विभाग बंद हुआ

**वाणिज्य मंत्रालय ने करीब सौ साल पुरानी अपनी सार्वजनिक खरीद इकाई पूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) को 31 अक्टूबर को बंद कर दिया है।** इस इकाई को **ब्रिटिश शासन के दौरान 1860 में स्थापित किया गया था।** इसे बंद करने का निर्णय सार्वजनिक खरीद के लिए **सरकारी ई-बाजार (जीईएम) के पिछले साल गठन किए जाने के बाद लिया गया है।**

**क्या है**

1. निदेशालय का परिचालन 31 अक्टूबर को बंद कर दिया है। इसे **अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शी जीईएम मंच से स्थानांतरित किया गया है।**
2. विभाग के करीब 1100 कर्मचारियों को आयकर विभाग समेत विभिन्न विभागों में भेजा जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी अन्य सरकारी विभागों में भेजे जाने की संभावना है।
3. **डीजीएसएंडडी विभाग की देश भर में स्थित संपत्तियों को शहरी विकास मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय को सौंपा जाएगा।**
4. निदेशालय के मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं। यहां उसके मुख्यालय में 12 खरीद निदेशालय हैं। इनके अलावा इसके 20 कार्यालय उपकेंद्र हैं।

## SC-ST को प्रमोशन में आरक्षण

**एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण के मामले में अब नया पेच आ गया है।** दो जजों की पीठ द्वारा मामले को **संविधान पीठ को भेजने के फैसले** पर सवाल खड़ा हो गया है। अब पांच जजों की पीठ पहले यह तय करेगी कि **एम**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**

**नागराज के फैसले पर पुनर्विचार की जरूरत है या नहीं।** गौरतलब है कि 14 नवम्बर को मामले सुनवाई के दौरान दो जजों की पीठ जस्टिस कुरियन जोसेफ और आर भानुमति ने सुनवाई के लिए संविधान पीठ को भेजा था। **दोनों जजों ने 5-5 जजों की दो पीठों के दो मामलों ईवी चेन्नैया और एम नागराज के फैसलों मे अंतर होने के कारण** इस मामले को संविधान पीठ के पास भेजा था। कोर्ट ने साफ किया कि **किसी मामले की मेरिट पर सुनवाई नहीं होगी।** अदालत ने कहा कि पहले सिर्फ कानूनी प्रश्न तय किया जाएगा। एम नागराज के फैसले मे पांच जजों ने कहा था कि **एससी एसटी को प्रोन्नति मे आरक्षण देने से पहले पिछड़ेपन और कम प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाने होंगे।**

## क्या है एम नागराज का फैसला

1. **एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने के एम नागराज के फैसले में 2006** में पांच जजों ने संशोधित संवैधानिक प्रावधान अनुच्छेद **16( 4 ) ( ए ), 16( 4 )( बी )** और **335** को तो सही ठहराया गया था लेकिन कोर्ट ने कहा था कि **एससी-एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने से पहले** सरकार को उनके पिछड़ेपन और अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के आंकड़े जुटाने होंगे।

## क्या है ईवी चेन्नैया का फैसला

1. 2005 में ईवी चेन्नैया के फैसले में पांच जजों ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा एससी-एसटी में किये गये **वर्गीकरण को असंवैधानिक ठहराया गया था।**
2. कोर्ट ने कहा था कि एससी-एसटी के बारे में राष्ट्रपति के आदेश पर जारी सूची में कोई छेड़छाड़ नहीं हो सकती। उसमें सिर्फ संसद ही कानून बनाकर बदलाव कर सकती है।
3. **जस्टिस कुरियन जोसेफ व जस्टिस आर. भानुमति** की दो सदस्यीय पीठ ने **एससी-एसटी को प्रमोशन में आरक्षण का मामला संविधान पीठ** को भेजते हुए आदेश मे कहा है कि **ईवी चेन्नैया और एम. नागराज दोनों मामलों में एससी-एसटी के पिछड़ेपन की चर्चा हुई है।**
4. लेकिन एम. नागराज का फैसला बाद में आने के बावजूद उसमें चेन्नैया के फैसले का जिक्र नहीं है। इसके अलावा इस मामले में एससी-एसटी में क्रीमीलेयर का मुद्दा भी उठा है। इसलिए मामले पर अनुच्छेद 145(3) में संविधान पीठ को विचार करना चाहिए। जस्टिस कुरियन की पीठ ने इसके लिए मामला मुख्य न्यायाधीश के सामने पेश करने का आदेश दिया था।

## क्या है इंद्रा साहनी का फैसला

1. **इंद्रा साहनी के 1992 के फैसले में जिसे मंडल जजमेंट से नाम से भी जाना जाता है,** कहा गया था कि एससी एसटी के मामले में क्रीमीलेयर का फंडा नहीं लागू होगा।

## क्या है सुरेश गौतम का फैसला

1. **इस फैसले में 2016 में दो न्यायाधीशों ने एम नागराज के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग ठुकरा दी थी।**
2. ये फैसला कहता है कि दो जज सीधे नहीं भेज सकते संविधानपीठ को मामला **भारत पेट्रोलियम मामले में 2001 में पांच जजों की संविधानपीठ ने कहा था** कि दो जजों की पीठ किसी मामले को सीधे संविधानपीठ को नहीं भेज सकती।
3. दो जजों की पीठ पहले मामले को तीन जजों को भेजेगी और फिर तीन जजों की पीठ मामले को पांच जजों की संविधान पीठ को भेज सकती है।

## क्या कहता है अनुच्छेद 145 ( 3 )

1. यह अनुच्छेद कहता है कि **जब कभी कानून या संविधान की व्याख्या का महत्वपूर्ण प्रश्न उठेगा तो उस पर कम से कम पांच जजों की पीठ सुनवाई करेगी।**



**KSG** – **(DELHI VN)** 9717380832, **(DELHI RN)** 9811293743, **(JAIPUR)** 8290800441, **(BHOPAL)** 7509975361, **(PATNA)** 7463950774, **(INDORE)** 9893772941, **www.ksgindia.com**